सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 199 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 03 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच बारिश का अलर्ट, आंधी-बिजली गिरने की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक गरज-चमक, तेज हवा और हल्की बारिश की आशंका जताई है। कई इलाकों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अलर्ट है। शनिवार को भी कोंडागांव में दोपहर को तेज बारिश हुई। बिलासपुर और दुर्ग में तेज आंधी चली है। पिछले 24 घंटों में उत्तर छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि बाकी हिस्सों में तापमान में खास बदलाव नहीं हुआ। राजनांदगांव प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में अगले 24 घंटे तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है।

जनगणना करने गए शिक्षक को शराबी ने तीन बार पीटा

बिलासपुर। जनगणना करने गांव में पहुंचे शिक्षक से तीन बार मारपीट कर पीछा कर डराने का प्रयास किया गया। जनगणना काम के लिए बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। राज्य शासन और प्रशासन ने जनता से इस काम में पूरा सहयोग देने को भी कहा है। इसके विपरीत एक गांव में जनगणना कर्मी के रूप में गए शिक्षक को विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ गया। भयभीत शिक्षक ने थाने में एफआईआर करा दी है।जनगणना से संबंधित बुरी खबर जिले के बिल्हा विकासखंड के ग्राम घोघरा से आई है। वहां पहुंचे शिक्षक को जान से मारने की धमकी दी गई और तीन बार मारपीट तक कर दी गई। बताया जाता है, बिल्हा विकासखंड के सरकारी पूर्व माध्यमिक स्कूल उड़नताल में पदस्थ नेतराम पैकरा को जनगणना का जिम्मा दिया गया है। उनका निवास ग्राम दगौरी में है। नेतराम जनगणना करने के लिए ग्राम घोघरा गए थे। वहां ग्रामीणों के घरों में उन्हें जाना था। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसर नेतराम ग्राम घोघरा के मकान नंबर 0077 में गए और प्रपत्र पर जानकारी लेकर भर रहे थे। इस बीच एक ग्रामीण निर्मल ने बिना कुछ बात किए सीधे नेतराम को तमाचा मार दिया।

पहले जहर दिया, फिर ईंट-हथौड़े से मारकर की हत्या

अंबेडकर नगर। यूपी के अंबेडकरनगर जिले से दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने चार बच्चों का कत्ल कर दिया। वजह चौंकाने वाली है। दरअसल, सऊदी अरब में पाकिस्तानी महिला से दूसरा निकाह कर पति का चार साल से घर नहीं लौटना चार बच्चों के जीवन को निगल गया। अकबरपुर स्थित घर पर बच्चों के साथ रह रही पहली पत्नी शनिवार दोपहर चारों बच्चों की हत्या कर भाग गई। पुलिस पहुंची तो घर अंदर से बंद मिला। पहली मंजिल के रास्ते घर में दाखिल होकर कमरे में पहुंची तो चार बच्चों के शव पड़े मिले। पुलिस परिवार के लोगों से पूछताछ के साथ महिला की तलाश कर रही है।

डिजिटल जनगणना से आम लोगों के घरों को मिलेगी यूनिक लोकेशन

जनगणना कर्मचारी खास ऐप के जरिए करेंगे आपके घर लोकेशन की एंट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस बार की जनगणना बेहद खास है। डिजिटल जनगणना में पहली बार ऐसा होगा जब हर घर को एक यूनिक लोकेशन भी मिलेगा। जो कर्मचारी आपके घर आएंगे वे अपने खास एप में मकान जहां स्थित है वहां की इंट्री अक्षांश-देशांतर के आधार पर करेंगे। इससे भविष्य में किसी भी तरह की इमरजेंसी सर्विस, ड्रोन डिलीवरी, ऑनलाइन डिलीवरी समेत लोकेशन के आधार पर घरों तक पहुंचने का काम बेहद आसान हो जाएगा। लोग किसी भी एप से जो लोकेशन भेजेंगे वो बेहद सटीक होगी। उसमें रोड, गली, मोहल्ला सबकुछ क्लियर होगा। यानी कहीं भी भटकने का चांस जीरो होगा। इसका सबसे बेहतर उपयोग किसी भी आपातकालीन स्थिति में किया जा सकेगा।

आगजनी, एक्सीडेंट, हार्ट अटैक जैसे हादसे होने पर कई बार इमरजेंसी सर्विस को सटीक लोकेशन में पहुंचने में दिक्कत होती है। लेकिन जनगणना होने के बाद यह परेशानी खत्म हो जाएगी। जीपीएस से सिस्टम जुड़े होने की वजह से इमरजेंसी सर्विस वाले बिना किसी परेशानी के मौके पर पहुंच सकेंगे। इतना ही नहीं ऑनलाइन सामान मंगाने पर अभी कई बार डिलिवरी ब्वॉय को लोकेशन बताना पड़ता है। आने वाले दिनों में इस तरह की समस्या भी खत्म हो जाएगी। जीपीएस की मदद से वे बिना किसी जानकारी के भी घर के बाहर पहुंच जाएगा।

पहले मकानों को नंबर दिए, अब लोकेशन देंगे

हाईटेक जनगणना होने की वजह से ही पहले मकानों का सूचीकरण किया गया है। सभी जगहों पर पहले मकानों को नंबर दिए गए हैं। अब इन्हीं मकानों को नंबर के आधार पर उनके लोकेशन की इंट्री की जाएगी। रायपुर नगर निगम सीमा में करीब 3.60 लाख मकान और अन्य प्रॉपर्टी हैं। इन सभी की इंट्री एप में यूनिक लोकेशन के तहत की जाएगी। इस तरह की ऑनलाइन इंट्री पूरे 70 वार्डों में होगी। इसके लिए एप में ही प्रत्येक गणना बॉक्स का नक्शा तैयार किया गया है। कर्मचारियों को जो डिवाइस और एप मिला है पहले तय लोकेशन का मिलान किया।

आम लोगों को इससे यह होगा फायदा

इमरजेंसी सेवाओं में एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड या पुलिस को किसी के भी घर का पता खोजने में परेशानी नहीं होगी। यूनिक नंबर और लोकेशन से वे सीधे 'सटीक लोकेशन' पर पहुंच सकेंगे। इससे समय बचेगा। जरूरतमंद लोगों को फौरी मदद मिलेगी। भविष्य में जब भी ड्रोन डिलीवरी शुरू होगी तो यह डिजिटल नंबर एक डिजिटल एड्रेस की तरह काम करेगा। इसके अलावा ऑनलाइन पार्सल की डिलीवरी पहले से ज्यादा सटीक और तेजी से हो सकेगी। भटकना नहीं पड़ेगा। जनगणना में सही डेटा मिलने के बाद सरकार को भी यह पता चलेगा कि किन क्षेत्रों में सुविधाएं कम हैं।

जांजगीर-चांपा में यात्री बस सड़क किनारे पलटी, 14 लोग घायल

बिर्रा थाना क्षेत्र की घटना, तीन की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जिले के ग्राम करनौद में तेज रफ्तार यात्री बस सड़क किनारे पलट गई। जिसमें 14 यात्री को चोट आई है जिसमें महिला पुरुष और बच्चे शामिल है। सभी घायलों का सीएचसी अस्पताल बम्हनीडीह में उपचार कराया गया है। जिसमें से तीन लोगों को जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना बिर्रा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी अनुसार, कोरबा से सरायपाली जा रही राजधानी बस रविवार की सुबह करीबन 8.30 बजे सड़क के किनारे जा पलटी। इस यात्री बस में 42 यात्री थे। चालक पर लापरवाही से बस चलाने का आरोप है। घायलों को बस के सीसे को तोड़कर बाहर निकला और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बस से बाहर निकाला गया है।

सीएसपी योगिताबाली खापर्डे ने कहा कि कोरबा से सरायपाली जा रही यात्री बास पलटी है जिसमें 14 लोग घायल है, जिसमें 9 महिला 3 बच्चे और 2 पुरुष शामिल है। बस चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक चलने से घटना हुई है जिसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलने पर बिर्रा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जहां घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी अस्पताल बम्हनीडीह में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

चेन्नई एयरपोर्ट पर बड़ा हादसाः चलती फ्लाइट से इमरजेंसी गेट खोलकर बाहर कूदा यात्री, मचा हड़कंप

चेन्नई ए.। रविवार तड़के चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस वक्त भारी दहशत फैल गई, जब एक यात्री ने चलती फ्लाइट का आपातकालीन दरवाजा अचानक खोल दिया और बाहर छलांग लगा दी। शारजाह से चेन्नई पहुंची एअर अरेबिया की इस फ्लाइट में 231 यात्री सवार थे। इस दुस्साहसिक और खतरनाक हरकत के कारण विमान में बैठे बाकी यात्रियों की जान हलक में आ गई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल टल गया।

यह खौफनाक घटना तब घटी जब विमान लैंडिंग के बाद मुख्य रनवे से हटकर टैक्सीवे (रनवे और टर्मिनल को जोड़ने वाला रास्ता) पर धीमी गति से आगे बढ़ रहा था। तभी अचानक 34 साल के एक पुरुष यात्री ने इमरजेंसी गेट खोला और चलती फ्लाइट से नीचे कूद गया। इस अचानक हुई घटना से विमान में अफरातफरी मच गई और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर विमान को रोका और ग्राउंड सुरक्षा टीम को फौरन अलर्ट कर दिया।

तबीयत खराब होने व घबराहट में लगाई छलांग

शुरुआती जांच में पता चला है कि यात्रा के दौरान इस यात्री की तबीयत काफी खराब हो गई थी। हवाई अड्डे के अधिकारियों के मुताबिक, यात्री ने फ्लाइट के अंदर घबराहट और उल्टी आने की शिकायत की थी। बताया जा रहा है कि इमरजेंसी गेट से कूदने से ठीक पहले उसने विमान के अंदर दो बार उल्टी भी की थी। माना जा रहा है कि इसी भारी बेचैनी और खराब तबीयत के चलते उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत में लगी आग, जिंदा जल गए 9 लोग, फायर ब्रिगेड ने 15 लोगों को बचाया

नईदिल्ली ए.। रविवार की सुबह दिल्ली के शाहदरा में एसी का आउटर यूनिट फटने से भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरी तरह फैल गई। जग तक लोग संभलते इसमें कई झुलस गए। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेट की टीम ने बिल्डिंग से लगभग 20 लोगों को बचाया। आग लगने की यह घटना तड़के 3:45 बजे की है। यह ऐसा समय है जब लोग अक्सर गहरी नींद में होते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के शाहदरा स्थित विवेक विहार के एक चार मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। विवेक विहार पुलिस स्टेशन में आग लगने की घटना के संबंध में एक

पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी एसएचओ और एसीपी तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। आग दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल के फ्लैटों में लगी हुई थी। बचाव और आग बुझाने के कार्यों के दौरान इमारत से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें चिकित्सा उपचार के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल पर डीडीएए के कर्मचारियों, ट्रैफिक अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के साथ दमकल की 12 गाड़ियां पहुंची। बताया जा रहा है कि आग लगने की घटना एसी का आउटर यूनिट फटने के कारण हुई है। फिलहाल जांच की जा रही है।

शवों की पहचान करना मुश्किल

घटना के बाद आसपास सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है बिल्डिंग से किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। शवों की हालत ऐसी है कि किसी को भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। कुल नौ शवों की पुष्टि हो चुकी है। हम अभी भी और लोगों की तलाश कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे भाजपा विधायक संजय गोयल ने बताया कि सुबह करीब 3:45 बजे आग लगी और देखते ही देखते बिल्डिंग के चारों फ्लोर में फैल गई। कुछ लोग दरवाजे का लॉक नहीं खोल पाए, जिस वजह से उनकी मौत हो गई।

कांकेर में आईईडी ब्लास्ट : डीआरजी के चार जवान शहीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल ऑपरेशन के दौरान बड़ा हादसा हुआ है। शनिवार को आईईडी निष्क्रिय करने के दौरान जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें डीआरजी के तीन जवान मौके पर ही बलिदान हो गये। वहीं एक जवान को हेलीकॉप्टर से रायपुर से लाया गया, जहां इलाज के दौरान वह भी बलिदान हो गये। इस प्रकार कुल चार जवान वीरगति को प्राप्त हो गये।

डीआरजी टीम प्रदेश के कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में नक्सलियों के छिपाए गए डंप की तलाश में निकली थी। इस दौरान आईईडी को हटाने की कोशिश

में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे चार जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टिलिंगम ने घटना की पुष्टि की है।

घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। पूरे इलाके को घेर लिया है ताकि अन्य संभावित को खोजकर निष्क्रिय किया जा सके। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में नक्सलियों की संभावित गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है। ब्लास्ट में इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा, कॉन्स्टेबल संजय गढपाले व कॉन्स्टेबल परमानंद कोमरा शहीद हो गए।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों की ओर से दी गई जानकारी और अन्य इनपुट के आधार पर माओवादियों के पूर्व में छिपाकर रखे गए सैकड़ों आईईडी बस्तर रेंज में पुलिस एवं सुरक्षा बलों की तरफ से बरामद कर निष्क्रिय किए गए थे, लेकिन आज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी वह आकस्मिक रूप से विस्फोट हो गया।

इस मामले में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सूचना के आधार पर की टीम डंप रिकवरी के लिए गई थी। डंप रिकवरी भी हुआ है, उसमें एक्सप्लोसिव था। इस जैसे हैंडल करना चाहिए था, जवानों ने हैंडल भी किया था पर दुर्भाग्य से चार जवान वीरगति को प्राप्त हो गये। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी दुर्घटना है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार शहीद जवानों के परिवार के साथ खड़ी है।

छोटे भाई को बचाने गए युवक का बदमाशों ने चापड़ से गला काटा, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में शनिवार रात मारपीट के दौरान छोटे भाई को बचाने पहुंचे बड़े भाई की हत्या कर दी गई। बदमाशों ने चापड़ से युवक का गला रेत दिया। वारदात के बाद परिजन और स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव कर किया। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम अभिषेक यादव (22) है, जो मोपका गुड़ी मोहल्ले का रहने वाला था। उसके चचेरे भाई ओमप्रकाश यादव (16) का कुछ युवकों से विवाद हो गया था। युवकों ने ओमप्रकाश से पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान अभिषेक ओमप्रकाश को बचाने के लिए पहुंचा था। तभी बदमाशों ने उस पर भी हमला कर दिया। हालांकि, अभी तक विवाद की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

विनेश फोगाट बोलीं- बृजभूषण के शोषण की मैं भी विक्टिमः गोंडा में कुश्ती लड़ना मुश्किल होगा

नई दिल्ली। ओलिंपियन विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए विनेश ने कहा, 'गोंडा में सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है।

आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं कहना चाहती हूं कि बृजभूषण शरण के खिलाफ कंप्लेंट करने वाले उन 6 विक्टिम में मैं भी शामिल हूं। मेरी गवाही भी कोर्ट में चल रही है। मेरा उसके घर (गोंडा) में जाकर कॉम्पिटीशन लड़ना मुश्किल होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं अपना 100त्न दे पाऊंगी। एक लड़की के लिए ये काफी मुश्किल होगा।

करीब 3 साल पहले विनेश ने बृजभूषण पर महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसे लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ धरना भी दिया गया था।

विनेश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा- आप सब को नमस्कार। जैसा की सभी को पता है कि पिछले डेढ़ साल से मैं रेस्लिंग मैट से काफी दूर थी। लेकिन अब कुछ महीनों से मैं रेसलिंग की तैयारियां कर रह रही हूं। बड़ी मेहनत और ईमानदारी से मेहनत कर रही हूं। जैसे मैंने पहले देश के लिए मेडल जीते, परमात्मा के आशीर्वाद से, आप सबके सहयोग से फिर से रेसलिंग मैट पर जाऊं और देश के लिए ढेर सारे मेडल जीतूं और देश के तिरंगे का मान बनाए रखूं। विनेश ने आगे कहा कि आज से करीब एक महीना पहले रेसलिंग फेडरेशन ने एक कॉम्पिटीशन का अनाउंसमेंट किया गया। यह टूर्नामेंट जहां पर ऑर्गनाइज करवाया जा रहा है, वो गोंडा यूपी है। जहां बृजभूषण का घर है। वहां उसका प्राइवेट कॉलेज है। वहां पर मेहनत करने वाले हर खिलाड़ी को उसका हक मिलेगा, यह नामुमकिन है।

संपादकीय

विपक्ष ने तो पीएम मोदी को मौका दिया है

राजनीति में होशियार वह राजनेता होता है जो राजनीति के मुद्दे तय करता है। राजनीति के ऐसे मुद्दे तय करता है जिससे एक बड़ा वर्ग जुड़ा होता है और चुनाव में वही बड़ा वर्ग हार-जीत का फैसला करने में अहम भूमिका निबाहने वाला होता है। पीएम मोदी ने भाजपा के लिए एक बड़ा मुद्दा चुन लिया है।यह मुद्दा भाजपा का है इसे पीएम मोदी ने संसद के भीतर व बाहर पुरजोर तरीके से साबित किया है कि भाजपा तो महिलाओं का आरक्षण देना चाहती है। भाजपा ने महिलाओं को आरक्षण देने के लिए संशोधन विधेयक संसद में लाया था।विपक्ष से इसे पारित करने में सहयोग करने को कहा था। पारित कराने का पूरा श्रेय विपक्ष को देने को कहा था लेकिन विपक्ष की रुचि महिला आरक्षण पारित कर महिलाओं को उनका हक देने की जगह संसद में महिला आरक्षण विरोध कर पीएम मोदी को हराने में ज्यादा थी। वह इस बात से खुश हो सकते थे कि उन्होंने मोदी सरकार का सहयोग कर महिला आरक्षण का हक महिलाओं को दिया है लेकिन वे इस पर ज्यादा खुश हुए कि मोदी सरकार महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं करवा सके। महिला आरक्षण मामले में पीएम मोदी संसद में हार गए और उन्हें हराने में कांग्रेस की अहम भूमिका रही।

> “ पीएम मोदी जानते थे कि अगर कांग्रेस को महिला आरक्षण पारित करवाने व पीएम मोदी का हराने का मौका मिलने पर वह पीएम मोदी को हराने का काम पूरे जोश से करेगी और कांग्रेस ने ऐसा किया है। सच यह है कि कांग्रेस ने वह नहीं किया है जो राहुल गांधी चाहते थे, राहुल गांधी ने वह किया है जो पीएम मोदी चाहते थे। पीएम चाहते थे पूरा देश देखे संसद में कांग्रेस व राहुल गांधी कैसे महिला आरक्षण का विरोध करते हैं और कैसे उसका जश्न मनाते हैं। अब पीएम मोदी योजना के दूसरे चरण में अमल कर रहे हैं।

संसद में कांग्रेस ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने दिया। पीएम मोदी ने तो उनको मौका दिया था पर वह मौके का फायदा नहीं उठा पाई। पीएम मोदी जानते थे कि अगर कांग्रेस को महिला आरक्षण पारित करवाने व पीएम मोदी का हराने का मौका मिलने पर वह पीएम मोदी को हराने का काम पूरे जोश से करेगी और कांग्रेस ने ऐसा किया है। सच यह है कि कांग्रेस ने वह नहीं किया है जो राहुल गांधी चाहते थे, राहुल गांधी ने वह किया है जो पीएम मोदी चाहते थे। पीएम चाहते थे पूरा देश देखे संसद में कांग्रेस व राहुल गांधी कैसे महिला आरक्षण का विरोध करते हैं और कैसे उसका जश्न मनाते हैं। अब पीएम मोदी योजना के दूसरे चरण में अमल कर रहे हैं। वह जब वाराणसी में कहते हैं कि सपा व कांग्रेस जैसे राजनीतिक दलों ने फिर देश की महिलाओं को धोखा दिया है। यह सारे परिवारवादी दल नारी शक्ति से डरे हुए हैं, इसलिए परिवारवादी दलों ने ससंद में महिला आरक्षण का विरोध किया। यह साफ हो जाता है कि अब आने वाले चुनाव के पहले पीएम मोदी कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का महिला विरोधी बताने का पूरा प्रयास करेंगे।

यही नहीं पांच राज्यों के चुनाव में अगर कहीं भाजपा की सरकार बनती है तो यही बताया जाएगा कि महिला विरोधी राजनीतिक दलों को महिलाओं ने सबक सिखाया है। पांच राज्यों के चुनाव में महिलाओं ने बढ़चढकर वोट दिया है। इससे मतदान पहले से ज्यादा हुआ है।भाजपा व मोदी का पूरा प्रयास होगा कि अगले साल जिन राज्यों में चुनाव है, वहां कांग्रेस व विपक्षी दलों को महिला विरोधी बताने का प्रयास किया जाए। यूपी में अगले साल चुनाव है इसलिए यहां तो कांग्रेस व सपा को महिला विरोधी बताने का प्रयास पीएम मोदी ने शुरू कर दिया है। पीएम मोदी ने महिला आरक्षण को भाजपा का मुद्दा बना दिया है और अब विपक्ष को इसे अपना मुद्दा बताने में परेशानी होगी। क्योंकि विपक्ष कितना भी कहे कि वह महिलाओं को आरक्षण का समर्थक है लेकिन कहा तो यही जाएगा संसद में तो कांग्रेस के विरोध के कारण ही महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पारित नहीं हुआ था।

अब कांग्रेस की मजबूरी है कि जैसे जैसे पीएम मोदी पूरे देश में कांग्रेस व विपक्षी दलों को महिला विरोधी प्रचारित करेंगे कांग्रेस व विपक्षी दल वैसे वैसे खुद को महिला आरक्षण विरोधी बताने का पूरा प्रयास करेंगे। यानी कांग्रेस के न चाहने पर भी महिला आरक्षण बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनेगा और कांग्रेस को इस पर बार बार सफाई देनी पड़ेगी कि कांग्रेस तो चाहती है कि महिलाओं को आरक्षण मिले। लेकिन पीएम मोदी व भाजपा पूरे देश में यही प्रचार करते रहेंगे कि कांग्रेस महिला विरोधी है इसलिए उसने संसद में महिला आरक्षण की विरोध किया और यह सच भी है, पूरे देश की महिलाओं ने देखा है कि कांग्रेस ने संसद में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध किया इसलिए महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। पांच राज्यों का चुनाव खत्म होने के बाद कांग्रेस मांग कर रही है कि सरकार महिला आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक बुलाए तो यह उसकी मजबूरी है क्योंकि महिलाओं की नाराजगी का मतलब है कि अगले चुनावों में कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक नुकसान।

शांति स्थापना में मीडिया की आध्यात्मिक दृष्टि मददगार

नरेश कौशल

वर्तमान अशांत वैश्विक दौर में ब्रह्माकुमारी मिशन आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से शांति स्थापना के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ-साथ मीडिया भी यदि शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है।

ओम् शांति। वैसे तो 'ओम' रूपी इस अपार शांति सागर में मेरे विचार गागर में एक बूंद की माफिक होंगे। फिर भी वैश्विक शांति के लिए मीडिया की भूमिका कैसी होनी चाहिए, इस विषय पर अपने अनुभव, अपने विचार और सुझाव रखने का प्रयास कर रहा हूं। तो चलिये, 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस, रोल ऑफ मीडिया' के विषय पर चर्चा की शुरुआत कुछ इस तरह से करते हैं :-

निस्संदेह, विश्व आज सर्वाधिक अशांत दौर से गुज़र रहा है। चारों तरफ भय और असुरक्षा का माहौल है। व्यक्ति, राष्ट्र से लेकर विश्व स्तर तक स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कोरोना काल से लेकर, यक्रेन युद्ध और आजकल अमेरिका-इस्राइल और ईरान द्वंद्व तक के संघर्ष ने दुनिया के अरबों लोगों के जीवन को अशांत बनाकर रख दिया है। हाल के दशकों में वैश्वीकरण और उदारीकरण के बाद दुनिया को एक वैश्विक गांव बनाने का जो सपना देखा गया था वह ध्वस्त होता नज़र आ रहा है। ऐसे हालात में 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस एंड रोल ऑफ मीडिया' विषय आज निश्चित रूप से समय की मांग है।

आज जहां संयुक्त परिवार बिखर कर 'एकल' में सिमटने लगे हैं, दाम्पत्य जीवन में टूटन बढ़ रही है। भागदौड़भरी जिंदगी जी रही युवा पीढ़ी में सहनशीलता, धैर्य का क्षरण हो रहा है। परिवार से लेकर समाज तक और समाज से लेकर देश-विदेश तक मानव मनोविकारों का संत्रास हमारे भाईचारे को, विश्व बंधुत्व के हमारे सपनों को चकनाचूर कर रहा है। सोचा तो यह था कि तकनीकी उन्नति समाज को और देशों को जोड़ने का काम करेगी, लेकिन उलटे दुनिया संघर्षों में उलझी दिखायी पड़ रही है। पूरी दुनिया में युद्ध, मृत्यु, तबाही, विस्थापन और मानवीय विपदाओं का अंतहीन सिलसिला चल निकला है। निस्संदेह ब्रह्माकुमारी मिशन विपदाओं के इस सिलसिले को थामने में आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ-साथ मीडिया भी शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे, अपनी सक्रिय भूमिका निभाने लग जाये तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है। पत्रकार युद्ध का सच बताने के साथ-साथ अगर बुद्ध के सच को भी उजागर करें तो यह समूची मानवता के लिये एक कल्याणकारी ऋषिकर्म होगा। संयोग से आज बुद्ध पूर्णिमा भी है, इसके लिए आप सबको बधाई!

इस मंच से उल्लेख जरूरी है कि जिस नारी के महत्व, जिस नारी की शक्ति को आज विश्वभर में पहचान मिलने लगी है। जिस नारी का वंदन करते हुए हमारी देश-प्रदेश की सरकारें 33 प्रतिशत का आरक्षण देने का प्रयास और प्रचार कर रही हैं, उस नारी की शक्ति को, उसके महत्व को ब्रह्माकुमारी मिशन के संस्थापक ब्रह्मतुल्य प्रजापिता ने कई दशक पूर्व आंक लिया था। आपकी इस संस्था में 35 या पचास नहीं, बल्कि शत-प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति के लिये कब का हो चुका। आपके प्रणेता जी ने भारतीय संस्कृति के संदेश : 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:' को पहले ही आत्मसात कर लिया।

शांतिप्रिय बंधुओ, बहनो और भाइयो, इस मंच से मुझे यह बताते हुए भी गर्व का अनुभव हो रहा है कि 'द ट्रिब्यून ट्रस्ट पब्लिकेशन' की हमारी संस्था में भी उच्च पदों पर नारी शक्ति का वर्चस्व है। द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक, पंजाबी ट्रिब्यून की संपादक, दैनिक ट्रिब्यून की समाचार संपादक, चंडीगढ़, शिमला और दिल्ली ब्यूरो की प्रमुख के अलावा मानव संसाधन (एचआर) विभाग की प्रमुख भी बहन ही हैं। ट्रिब्यून संस्थान और ब्रह्माकुमारी विवि के मिशन में कई समानताएं भी हैं। ट्रिब्यून की स्थापना करीब 145 साल पहले तत्कालीन अविभाजित भारत के लाहौर में हुई थी और ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना करीब सौ साल पहले कराची में हुई थी। ट्रिब्यून संस्थान वर्ष 1881 से स्वतंत्रता आंदोलन, जनजागरण, सामाजिक सद्भाव और शांति फैलाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

तो चलिये विश्व शांति और इसमें मीडिया की भूमिका विषय पर फिर लौटते हैं। परिवारों से लेकर समाज तक और समाज से लेकर विश्व तक को शांति की माला में पिरोने के लिये निश्चय ही मीडिया अहम भूमिका निभा सकता है, विश्व शांति के लिये जनमत तैयार कर सकता है और इस तरह जागरूक हुआ जनमत दुनिया के नीति-नियंताओं से यह सवाल कर सकता है कि आखिर शांति के लिये बनाये गये संगठन अपना फर्ज अदा क्यों नहीं कर पा रहे। कौन सी शक्तियां हैं, जो इन संस्थानों को पंगु बना रही हैं। दुनिया के मठाधीशों से पूछा जाना चाहिये कि वैश्विक भाईचारा और विश्व शांति के उद्देश्य से बनाये गये संगठनों, मसलन- संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, जी-ट्वेंटी, जी-सेवन, ब्रिक्स और क्वाड के होते हुए अमेरिका, रूस जैसी महाशक्तियां, इस्राइल और आतंकी शक्तियां मानवता को रौंदने पर क्यों तुली हैं?

अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक सक्रिय मीडिया के मेरे साथियों, उठाओ अपना गांडीव रूपी कलम का अस्त्र, दागो। अरे विश्व शांति के मसीहा का ढोंग रचने वाले महाशक्तिमानो, आप किस हैसियत से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की जुगतें भिड़ा रहे हैं। मीडिया के शक्तिमानो जतला दो उन्हें कि कभी न कभी शांति का उजाला उनके झूठ के अंधकार को अवश्य निगल जायेगा। ऐसे हथियार विक्रेताओं को एक शायर की यह आवाज सुना दो :-

'तिरे चराग़ अलग हों मिरे चराग़ अलग, मगर उजाला तो फिर भी जुदा नहीं होता।'

मीडिया के मेरे दोस्तो, यह सच्चाई हमें माननी पड़ेगी कि सूचना की गति भले तेज हुई है, मगर संवेदना की गहराई कम हो रही है। मानवता के कल्याण के लिये हमें भी ब्रह्माकुमारी मिशनरियों की भांति शांति दूत की भूमिका निभानी होगी। मीडिया समाज का दर्पण ही नहीं बल्कि उसका मार्गदर्शक भी है। मीडिया की ताकत पर किसी शायर ने ठीक ही कहा है :-

लफ्जों से ही बनते हैं रिश्तों के कारवां, मीडिया चाहे तो जोड़ दे जहां।

इसलिए आज पीत पत्रकारिता की नहीं, बल्कि पीस पत्रकारिता की जरूरत है। युद्ध की तस्वीरें जरूरी हैं, मगर शांति-वार्ता की मेज की तस्वीरें उससे भी ज्यादा जरूरी हैं। महात्मा गांधी, बुद्ध, दादी प्रकाशमणि जी जैसे शांति दूतों के संदेश भी मीडिया की सुर्खियां बनें। याद रखिये, सरहदें नहीं रोक सकतीं संवेदनाओं का सैलाब। देश, धर्म, जाति चाहे अलग-अलग हों, दर्द सबका एक सा है। आंसू सबके एक से हैं। खून सबका एक सा है।

ब्रह्माकुमारी दीदी अक्सर कहती हैं, 'विचारों' से संसार बनता है। मीडिया विचारों का सबसे बड़ा माध्यम है। यदि मीडिया ठान ले तो चौबीस घंटे में पूरी दुनिया की सोच बदल सकता है। ब्रहमाकुमारी मिशन हमें सिखाता है कि शांति बाहर नहीं, भीतर से शुरू होती है। वैश्विक शांति के लिये मीडिया को संक्षेप में ये चार सूत्र देते हुए अपने विचारों को विराम देता हूं। एक- संवाद को संघर्ष पर प्राथमिकता दें। दो- संवेदनशील मुद्दों को संतुलित दृष्टिकोण से प्रस्तुत करें। तीन- सकारात्मक न्यूज़ स्टोरीज को प्रमुखता दें और अंत में चार- आध्यात्मिक मूल्यों करुणा, सहिष्णुता और मानवता को मंच प्रदान करें। ओम शांति।

(माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस, रोल ऑफ मीडिया' विषय के उद्घाटन सत्र में दिए गए व्याख्यान के अंश)

'कोविड-दयालुता' की भावना को फिर से जगाने की जरूरत है

एन. रघुरामन

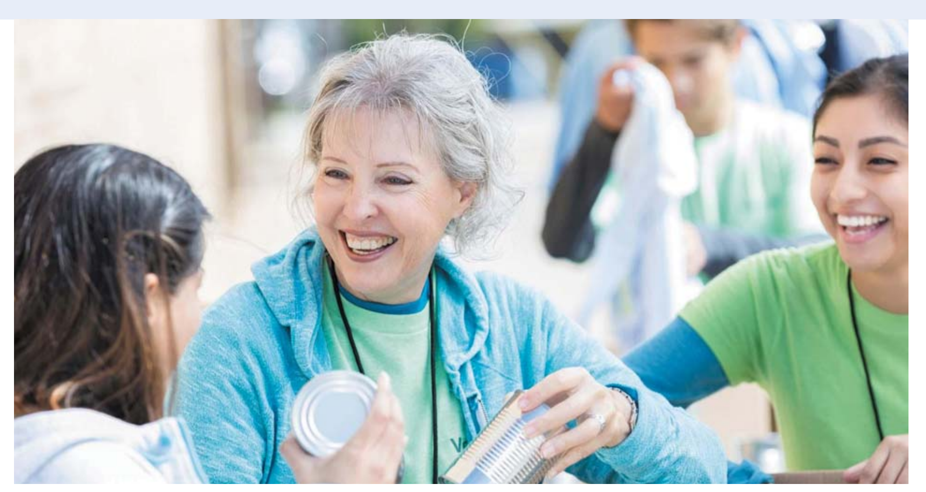

1960 के दशक के उत्तरार्ध में एक दिन मैंने नागपुर के सीताबर्डी की मुख्य सड़क पर स्थित 'विश्रांति गृह' नामक रेस्तरां के बाहर अपनी साइकिल खड़ी की, ताकि वहां बैठी दंतविहीन वृद्धा से कुछ गजरे खरीद सकूं। जैसे ही वे उन्हें पैक करने लगीं, रेस्तरां के भीतर से एक वेटर बाहर आया और उन्हें पत्ते के कटोरे में दो गरम इडलियां और एक कप साम्भर थमा दिया।

वृद्धा ने उसे धन्यवाद दिया और धीमे से कहा, मैंने अभी तक अपनी 'बोहनी' भी नहीं की है। वेटर ने उत्तर दिया, साहब ने कहा है कि आपको भुगतान करने की जरूरत नहीं है। फिर उसने आगे जोड़ा कि उन्होंने देखा आपने अभी तक कुछ खाया नहीं है और आपके नाश्ते का समय काफी पहले ही बीत चुका है।

वृद्धा ने कैश काउंटर की ओर देखा, जहां रेस्तरां के मालिक मणि अय्यर अपनी सुपरिचित सफेद धोती और आधी बांह की कमीज पहने बैठे थे। वृद्धा ने उनकी तरफ देख कृतज्ञता में सिर झुकाया; अय्यर ने बस मुस्कराकर हाथ हिलाया और ग्राहकों से पैसे लेने में व्यस्त हो गए। जब वृद्धा ने मुझे गजरे थमाए, तो धीमे-से फुसफुसाकर कहा, वो भगवान का रूप हैं।

मैं मुस्कराया और चला गया। जब मैंने बाद में यह बात अपनी मां को बताई तो उन्होंने कहा, जब आप किसी के चेहरे पर भूख पढ़ सकें, तब उसे भोजन देना चाहिए। मणि अय्यर इसमें निपुण थे; वे रोजाना अपने दरवाजे से गुजरने वाले असंख्य भूखे चेहरों को जो देखते थे।

मां उपरोक्त शब्दों का अपने जीवन में पालन भी करती थीं। हर गर्मी में- मानसून से पहले- मजदूर हमारे घर की दीवारों पर सफेद रंग पोतने और छत पर लगी पारम्परिक, हाथ से बनी मिट्टी की खपरैलें बदलने आते थे। दोपहर के भोजन के समय मैं उन्हें एक कोने में बैठे देखता था, जहां वे अखबार में लपेटकर लाई सूखी रोटियां निकालकर, उन्हें केवल प्याज और हरी मिर्च के साथ खाते थे। उन्हें देखते हुए मैंने अकसर अपनी मां की आंखों में आंसू देखे। वे मजदूरों के लिए पहले से ही कुछ ग्रेवी वाला आइटम बनाकर रखती थीं। घर का बना ये भोजन करते समय उन मजदूरों के चेहरे पर चमक देखते ही बनती थी।

दशकों बाद, कोविड लॉकडाउन के दूसरे दिन सड़कों पर खामोशी पसरी हुई थी। केवल चिड़ियों के चहचहाने की आवाजें ही सुनाई देती थीं। कभी-कभार कोई सरकारी वाहन भी निकल जाता था। ग्यारहवें माले पर मौजूद मेरे फ्लैट से देखने पर दुनिया बहुत वीरान लगती थी। तब एक दिन एक पड़ोसी ने इंटरकॉम पर कॉल करके एक सवाल पूछा : आपके सिक्योरिटी गार्ड्स के भोजन का बंदोबस्त कैसे होगा? अपने परिवारों की रक्षा करने की हड़बड़ी में हममें से बहुतों ने इस बारे में सोचा तक नहीं था। तुरंत हमारी पूरी बिल्डिंग एकजुट हो गई।

हमने एक वॉट्सएप रोस्टर बनाया और उसमें यह शेड्यूल तैयार किया कि गार्ड्स को कौन चाय देगा और कौन उनके लिए जलपान का प्रबंध करेगा। वह 'कोविड-दयालुता' का एक छोटा-सा, किंतु संगठित प्रयास था, जो कुछ सप्ताहों तक चलता रहा और जिसकी मदद से हम लंबे समय तक टिके रहे।

इस शनिवार को जब मैंने कुकिंग की बढ़ती लागत के बारे में पढ़ा तो मुझे ये तमाम बातें याद हो आईं। छोटे रेस्तरां संचालक और स्ट्रीट वेंडर्स रसोई गैस की कीमतों में लगातार तीसरी बढ़ोतरी के कारण दबाव में आ गए हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक लागत बढ़ने से, 19 किलो का कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर लगभग 1,000 रुपए बढ़कर 3,000 रुपए से अधिक का हो गया है।

खाद्य तेलों और श्रम की अस्थिर लागतों के साथ मिलकर भोजनालयों- विशेष रूप से स्ट्रीट वेंडर्स को कीमतें 20-30% तक बढ़ाने या अपने उत्पादों की मात्रा को कम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि जब एक कप चाय पहले ही सबसे छोटे कप में केवल दो घूंट भर मिलती है, तो एक स्ट्रीट वेंडर इसमें और कितना हिस्सा कम कर सकता है? अब- पहले से कहीं अधिक- हमें उन चेहरों को फिर से देखना होगा, ठीक वैसे ही जैसे मेरी मां और मणि अय्यर देखते थे- और उस दयालुता को याद रखना होगा, जो तब खाली जगहों को भरती है, जब अर्थव्यवस्था ऐसा नहीं कर पाती।

फंडा यह है कि दयालुता का एक छोटा-सा कृत्य भी न केवल उसे पाने वाले के जीवन को, बल्कि कई बार देने वाले को भी गहराई से बदल सकता है। इस बार, यदि संभव हो, तो इसे करके देखिए।

ऊर्जा-आत्मनिर्भरता की राह में बड़ा कदम

प्रमोद जोशी

स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की है। अब भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में हाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की, जो नाभिकीय चेन रिएक्शन की शुरुआत है। यह प्रोटोटाइप एफबीआर 500 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) रिएक्टर है, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) ने तमिलनाडु के कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में निर्मित किया है।

यह तकनीक नाभिकीय ऊर्जा में यूरेनियम पर निर्भरता कम करेगी। इस उपलब्धि के साथ, भारत अपने तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जिसकी परिकल्पना डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने की थी। वैश्विक स्तर पर भी यह महत्वपूर्ण परिघटना है। इसके पूर्ण संचालन में आने के बाद, रूस के बाद भारत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का संचालन करने वाला, दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा।

ईरान-युद्ध के आर्थिक दुष्प्रभावों के साथ, दुनियाभर के देश ऊर्जा सुरक्षा की तलाश में हैं। ज्यादातर देश कोयले और पेट्रोलियम के रूप में फॉसिल फ्यूल के सहारे हैं, पर अब उनके खत्म होने का समय है। वैसे भी उनके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को देखते हुए विकल्पों की तलाश चल रही है। पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों की तुलना में नाभिकीय ऊर्जा सबसे आगे है, क्योंकि बड़े स्तर पर वही जरूरत पूरी कर सकती है। उसके साथ भविष्य के तकनीकी विकास भी जुड़े हैं, जो नए विकल्पों को खोलेंगे।

अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हाल में संलयन (फ्यूज़न) ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त घोषणा की है। व्यावसायिक रूप से इस पद्धति से बिजली बनाने में अभी कई दशक लगेंगे, पर भविष्य में यह ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत साबित होगा। यह बिजली भी परमाणु के नाभिकीय में छिपे ऊर्जा स्रोत पर आधारित होगी, पर अभी प्रचलित विखंडन पर आधारित नाभिकीय ऊर्जा से एकदम अलग और सुरक्षित होगी।

नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ है, पर उसके साथ दुर्घटनाओं के जोखिम हैं। इस वजह से जर्मनी ने 2023 में परमाणु विखंडन (फिज़न) को छोड़ने का फैसला किया है। वह भी परमाणु संलयन तकनीक पर भारी निवेश कर रहा है, जिसे वह भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा के रूप में देखता है। जापानी नेतृत्व ने 2011 की फुकुशिमा आपदा से पैदा हुई सार्वजनिक चिंताओं के बावजूद अब परमाणु ऊर्जा को फिर से अपनी प्राथमिकता बनाया है। ईरान युद्ध ने, उनके परमाणु संयंत्रों को फिर से खोलने और नए संयंत्र बनाने की बातें हैं। दक्षिण कोरिया पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा उत्पादकों में से एक है। वह भी अपनी असैनिक-परमाणु क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत में परमाणु ऊर्जा के सतत विकास के लिए फास्ट ब्रीडर की अनिवार्यता को डॉ. होमी भाभा ने 1950 के दशक में ही समझ लिया था। उन्होंने माना कि भारत में यूरेनियम के सीमित भंडार नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम को लंबे समय तक चला नहीं पाएंगे। उन्होंने यूरेनियम के कुशल उपयोग के लिए ब्रीडर प्रणाली का सुझाव दिया। भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएफबीआर परियोजना की गतिविधियां 2003 में शुरू हुईं और उसी वर्ष 'भाविनी' नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की स्थापना हुई। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकैलिटी केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है। यह भारत के दीर्घकालिक परमाणु विज़न की परिपक्वता और उसकी स्वदेशी क्षमताओं की मजबूती को दर्शाती है। सीमित यूरेनियम संसाधनों से लेकर थोरियम-संचालित भविष्य तक, भारत का तीन-चरणीय कार्यक्रम अब क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में हुई प्रगति उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों में भरोसे को दर्शाती है।

जैसे-जैसे क्षमता का विस्तार होगा और नई प्रौद्योगिकियां आकार लेंगी, परमाणु ऊर्जा भारत के ऊर्जा मिश्रण में कहीं अधिक केंद्रीय भूमिका निभाने लगेगी। इस समय रूस ही फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) संचालित कर रहा है। हालांकि, कई देशों ने प्रायोगिक फास्ट रिएक्टर विकसित या संचालित किए हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, जर्मनी और चीन शामिल हैं, पर इनमें से ज्यादातर कार्यक्रम बंद हैं। इनकी लागत और तकनीकी सुरक्षा आड़े आई, पर भारत ने इन दिक्कतों पर काबू पाया है, क्योंकि यह तकनीक ही हमारी मददगार है।

भारत के पास सीमित यूरेनियम भंडार हैं, लेकिन थोरियम के विश्व के सबसे बड़े भंडारों में से एक है। इसके लिए हमारे परमाणु ऊर्जा विभाग ने तीन-चरणों वाला नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम बनाया है। इस कार्यक्रम का पहला चरण है, प्रेशराइज़्ड हैवी वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर), जिसमें प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग किया जाता है। इनमें प्रयुक्त ईंधन प्लूटोनियम उत्पन्न करता है, जो अगले चरण के लिए मुख्य इनपुट बनता है। दूसरा चरण है, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर)। चरण 1 से प्राप्त प्लूटोनियम का उपयोग फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों में ईंधन के रूप में किया जाता है।

कल्पक्कम स्थित प्रोटोटाइप एफबीआर इस चरण में भारत के प्रवेश का संकेत देता है। इन रिएक्टरों का उपयोग थोरियम से यूरेनियम-233 बनाने के लिए किया जाएगा, जो चरण 3 की नींव रखेगा। चरण 3 है थोरियम-आधारित रिएक्टर। इसमें भारत के विशाल थोरियम भंडार का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा, जिसमें चरण 2 में उत्पन्न यूरेनियम-233 को ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाएगा। थोरियम को व्यावहारिक रूप से असीमित ऊर्जा स्रोत माना जाता है और यह चरण भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की कुंजी है।

छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के अलावा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र अगली पीढ़ी के रिएक्टर डिजाइनों का विकास कर रहा है, जिनमें 200 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर-200), 55 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) एसएमआर-55, और हाइड्रोजन उत्पादन के लिए डिजाइन किया गया 5 मेगावाट तापीय (एमडब्ल्यूटीएच) तक का उच्च-ताप गैस-शीतित रिएक्टर शामिल है। इस मिशन को सफल बनाने के लिए सरकार ने 'द सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (शांति) अधिनियम, 2025' लागू किया है, जिसके तहत देश का निजी क्षेत्र भी नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन से जुड़ेगा।

देश में कोयले और नवीकरणीय स्रोतों के बाद बिजली का पांचवां सबसे बड़ा स्रोत नाभिकीय ऊर्जा है, जो कुल उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत है। अप्रैल, 2026 तक, भारत में 22 से अधिक रिएक्टरों के माध्यम से 8.8 गीगावॉट की स्थापित क्षमता है। इसे 2047 तक इसे बढ़ाकर 100 गीगावॉट करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से स्वदेशी तकनीक प्रेशराइड हैवी वॉटर रिएक्टर पर आधारित है और कजाकिस्तान के साथ हाल में यूरेनियम सौदों से मजबूत हुआ है।

हाल में शुरू किए गए 'परमाणु मिशन' के अंतर्गत, 2033 तक पांच लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) स्थापित करने की योजना भी है, जो खास तौर से उद्योग, घनी आबादी वाले क्षेत्रों, ग्रिड कनेक्शन से वंचित दूर-दराज़ के क्षेत्रों, थर्मल संयंत्रों के पुनः उपयोग आदि के लिए उपयोगी होंगे। अब भविष्य में नाभिकीय ऊर्जा केवल पूरक स्रोत नहीं रहेगी। सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु विद्युत उत्पादन क्षमता प्राप्त करना है। नाभिकीय ऊर्जा बिजली का बेस स्रोत बनेगा, जो चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। यह पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों के मुकाबले ज्यादा बड़े स्तर पर उपलब्ध भी होगा। यह केवल फौरी विकल्प नहीं, बल्कि दीर्घकालीन व्यावहारिक आवश्यकता है।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

टाइगर कैपिटल-आईकेएफ सीज़न 6 ट्रायल्स में उमड़े जूनियर फुटबॉलर

भिलाई। टाइगर कैपिटल के सहयोग से इंडिया खेलो फुटबॉल (आईकेएफ) के सीज़न-6 का ट्रायल देने शनिवार की सुबह सेक्टर-2 के फुटबॉल ग्राउंड में 16 व 17 आयुवर्ग के खिलाड़ी उमड़े। यहां पहले सत्र में 100 से ज्यादा इन खिलाड़ियों ने निर्णायकों के सामने अपने फुटबॉल खेल का हुनर दिखाया। स्थानीय स्तर पर इस आयोजन में भागीदार लेमन ब्रेक अकादमी के प्रतिनिधि, स्पोर्टस एजुकेटर और भिलाई के पहले एएफसी के ए लाइसेंस्ड कोच राजशेखर मुराहरि ने बताया कि सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन का विश्लेषण वीडियो रिकार्डिंग के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दो दिन के इस ट्रायल के लिए 200 से ज्यादा जूनियर खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन करवाया है। यहां शनिवार की शाम अंडर-13 आयुवर्ग के खिलाड़ियों ने ट्रायल दिया। टाइगर-आईकेएफसीजन-6 ट्रायल 3 मई को भी जारी रहेगा।

युवा सेफ्टी सुपरवाइजर्स को मिला सशक्त प्रशिक्षण

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए एसआरयू इकाई के अंतर्गत कार्यरत संविदा सेफ्टी सुपरवाइजर्स के लिए तीन दिवसीय सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम 'प्रेरणा' का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 30 अप्रैल से 02 मई 2026 तक भिलाई इस्पात संयंत्र में आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा आधारित सत्रों के साथ-साथ व्यावहारिक स्थल प्रशिक्षण भी सम्मिलित रहा। 'प्रेरणा' नामक यह पहल युवा सेफ्टी सुपरवाइजर्स के पेशेवर जीवन की एक सशक्त शुरुआत का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य केवल अनुपालन तक सीमित न रहकर नवप्रवेशी प्रतिभागियों और औद्योगिक अपेक्षाओं के मध्य कौशल अंतर को कम करना है। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न महत्वपूर्ण सुरक्षा क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया, जिससे वे स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ अन्य कर्मियों का मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण भी कर सकें।

चेंबर ऑफ कॉमर्स दुर्ग ने श्रमिकों का सम्मान किया

दुर्ग। छग चेंबर ऑफ कॉमर्स, दुर्ग द्वारा तहसील के सामने और सिंधी धर्मशाला के पास मजदूर दिवस पर मेहनतकश श्रमिकों का सम्मान किया। इस दौरान दिहाड़ी श्रमिक, निर्माण कार्य में लगे मजदूर, ठेला-खोमचा संचालक, छोटे व्यवसायी एवं श्रम से जुड़े सभी वर्गों को सम्मान स्वरूप उपहार देकर उनके परिश्रम और योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में दुर्ग अध्यक्ष अनूप गटागट ने कहा कि मजदूर हमारे समाज और अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके अथक परिश्रम से ही विकास का हर मार्ग प्रशस्त होता है। शिव चंद्राकर, किशोर जैन ने भी विचार रखे। आयोजन में प्रहलाद रुंगटा, किशोर जैन, कुलदीप सिंह, सतीश समर्थ, दिनेश टावरी, दर्शन ठकवानी, उत्तम भंडारी, अरुण दुग्गड़, आनंद अग्रवाल, जवाहर जैन, मनोज अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

भिलाई में बुद्ध जयंती समारोह : विधायक रिकेश ने कहा- बुद्ध के शांति संदेश आत्मसात करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व शांतिदूत महाकारुणिक तथागत गौतम बुद्ध की 2589वीं जयंती एक मई को धम्म भूमि, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भिलाई में भव्य रूप से मनाई गई। कार्यक्रम में वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन मुख्य अतिथि थे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में डॉ. उदय धाबर्डे (मुख्य चिकित्सा अधिकारी,बीएसपी जे.एल.एन. हॉस्पिटल सेक्टर-9), प्रेरणा धाबर्डे, अशोक धवले (एसडीओ, सिंचाई विभाग) एवं संजय बागड़े (मुख्य अभियंता, नगर पालिका निगम रायपुर),सुनील रामटेके अध्यक्ष ऑल पीएसयू एससी-एसटी फेडरेशन भी शामिल हुए

कार्यक्रम की शुरुआत विधायक रिकेश सेन ने तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करने एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की। अपने संबोधन की

शुरुआत उन्होंने जय भीम के जयकारे के साथ की और धम्म भूमि परिसर के विकास के लिए हर संभव सहयोग देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने डॉ. बाबा साहेब बुद्धिस्ट सांस्कृतिक समिति के पदाधिकारियों को विधायक कार्यालय में संपर्क करने हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध का विश्व शांति के लिए दिया उपदेश हम सभी को आत्मसात करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. उदय धाबर्डे ने आयोजन की सराहना करते हुए महिला संगठन एवं समिति के पदाधिकारियों को भव्य कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं और धम्म भूमि के विकास में सहयोग का आश्वासन दिया। श्रीमती प्रेरणा धाबर्डे ने उपस्थित बच्चों एवं उपासक-उपासिकाओं के लिए नाश्ता वितरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बसंत धारगे, राजेश कांबले, गिरीश रामटेके, मिलिंद रामटेके, संदीप चौरे, अर्चना गजभे, शीतल मेश्राम, डॉली ऊके, वनमाला रामटेके, मेघा कांबले, स्वाति गजभिए, परिणीता नागदेवे, पूजा शेंडे, चेतना धारगे, किरण कांबले, निर्मला धारगे, मंजू सिंगाड़े, वंदना धारगे, जयश्री बागड़े आदि की भूमिका रही।

कलेक्टर ने ली नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर दिए सख्त निर्देश

कचरे को गीला और सूखा नहीं, बल्कि चार श्रेणियों में बांटना अनिवार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय निकायों के आयुक्त व मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा कि 1 अप्रैल 2026 से लागू नए नियमों के तहत अब कचरे को केवल गीला और सूखा नहीं, बल्कि चार श्रेणियों में बांटना अनिवार्य होगा- गीला कचरा (रसोई और बगीचे का अपशिष्ट) सूखा कचरा (प्लास्टिक, कागज, कांच, धातु) सेनेटरी वेस्ट (डायपर, सेनेटरी नैपकिन) आदि जिन्हें अलग से लपेट कर देना होगा। स्पेशल केयर वेस्ट (दवाइयां, पेंट के डिब्बे, बल्ब, बैटरी)।

कलेक्टर सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियों में इन चारों श्रेणियों के लिए पृथक बॉक्स सुनिश्चित करें। नए नियमों के अनुसार कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया (संग्रहण से लेकर निपटान तक) को एक केंद्रीय ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ट्रैक किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

होटल, मैरिज गार्डन, बड़ी आवासीय सोसायटियों, अपार्टमेंट, कॉलेज छात्रावास परिसर, सामुदायिक भवन आदि जो प्रति दिवस 100 किलोग्राम या उससे अधिक गीला कचरा उत्पन्न करते हैं, उन्हें अपने गीले कचरे का निपटान स्वयं के परिसर के भीतर ही बायो डाइजेस्टर मशीन अथवा पिट कम्पोस्टिंग के माध्यम से करना होगा। साथ ही समस्त बल्क वेस्ट जेनरेटरों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन करना भी अनिवार्य होगा। बल्क वेस्ट जेनरेटरों को निकाय से विस्तारित बल्क वेस्ट जेनरेटर जिम्मेदारी प्रमाण पत्र प्राप्त करना भी अनिवार्य होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित प्रतिष्ठान को नियमानुसार जुर्माना देना होगा।

इस संबंध में पर्यावरण संरक्षण मंडल तथा समस्त नगरीय निकायों के अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया की समस्त आवासीय सोसायटी एवं बड़े परिसरों जो बलक वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में आएंगे उनको गीले कचरे के कंपोस्टिंग के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन तथा सहायता भी प्रदान की जाए ताकि वह निर्धारित समय सीमा में अपने परिसर के अंदर ही कंपोस्टिंग हेतु मशीन अथवा पीट की स्थापना कर सकें।

राजहरा माइंस अस्पताल में 23वें मेगा मेडिकल कैंप का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस अस्पताल में 1 मई 2026 को 23वें मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से क्षेत्रीय समुदाय को उनके निवास स्थान के समीप ही बहु-विषयक विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर का उद्देश्य विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का समुचित निदान एवं उपचार सुनिश्चित करना तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को सुदृढ़ करना रहा।

शिविर में लगभग 375 मरीजों का परामर्श किया गया। लाभार्थियों को विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यक जांच, उपचार एवं विभिन्न चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। जिसमें अस्थि रोग विशेषज्ञ द्वारा 15 इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन तथा 5 प्लास्टर जैसी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाएं भी सफलतापूर्वक संपन्न की गईं।

इस मेगा कैंप में भिलाई स्थित जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सक्रिय सहभागिता निभाई। चिकित्सा दल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष (सर्जिकल ट्रॉमा) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. चित्रा सुनोव, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. इमैनुअल मैसी, पेन मैनेजमेंट क्लिनिक डॉ. कुमुदिनी तिग्गा, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशिक किशोर, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्राची मेने, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. हिमानी गुप्ता, जनरल सर्जन डॉ. धीरज शर्मा तथा त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. शशांक अग्रवाल सहित अन्य चिकित्सकों एवं डीएनबी प्रशिक्षुओं ने सेवाएं प्रदान कीं। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विधान सरकार, सहायक प्रबंधक श्रीमती रेजी वेणुगोपाल एवं सहायक प्रबंधक जीतेन्द्र अजमेर्रा, फिजियोथेरेपिस्ट विकास पाण्डेय आदि का योगदान रहा।

दुर्ग के 11 स्कूल बन रहे स्मार्ट

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए 21 शासकीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की जा रही है। इनमें से 11 स्कूलों को पूरी तरह स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पढ़ने वाले बच्चे अब स्मार्ट बोर्ड, कंप्यूटर, इंटरनेट और डिजिटल कंटेंट के माध्यम से आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया कि उरला, तितुरडीह और शक्तिनगर के शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास और स्मार्ट स्कूल तैयार हो रहे हैं। शिक्षा विभाग यहां डिजिटल तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में काम कर रहा है। यह पहल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं भविष्य उन्मुख शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हो रही है। मंत्री ने बताया कि स्मार्ट स्कूलों में बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए कक्षाओं और परिसर की दीवारों पर आकर्षक और ज्ञानवर्धक प्रिंट रिच वातावरण तैयार किया जा रहा है।

आईसीएआई भिलाई द्वारा सीए छात्रों के लिए सेमिनार का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भिलाई शाखा द्वारा आज एक सेमिनार का सफल आयोजन किया गया,यह सेमिनार शाम 5 बजे तक सम्पन्न हुआ। सीए विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी इस सेमिनार में बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष सीए सुखदेव राठी द्वारा स्वागत भाषण के साथ किया गया

तथा सेशन चेयरमैन सीए एनके टौंक द्वारा कार्यक्रम को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रथम सत्र में "New Professional Opportunities & Growing Practice" विषय पर सीए अविनाश गुप्ता ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने बदलते प्रोफेशनल वातावरण में उपलब्ध नए अवसरों एवं प्रैक्टिस को विकसित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में "Succession Planning" विषय पर सीए संजीव अग्रवाल द्वारा विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई, जो उपस्थित सदस्यों के लिए अत्यंत उपयोगी रही। अंत में शाखा कोषाध्यक्ष सीए प्रभजीत सिंह जग्गी एवं सचिव सीए प्रतीक अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भिलाई शाखा की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य सीए दिलीप कुमार जैन, CICASA चेयरमैन सीए तलविंदर सिंह सैनी, पूर्व कमेटी सदस्यगण एवं अनेक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन शाखा की टीम एवं प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी के सहयोग से किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

खाद्य और औषधि प्रशासन की टीम ने अस्पतालों व फार्मेसी सेंटर्स का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य शासन द्वारा 27 मई से 11 मई 2026 तक सही दवा-शुद्ध आहार - यही छत्तीसगढ़ का आधार'' थीम के अंतर्गत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किये जाने हेतु प्रत्येक जिले में कार्यरत खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। औषधि शाखा द्वारा जांच अभियान के पाचवां दिवस 01 मई को जिले में स्थित अस्पतालों एवं अस्पतालों

से जूडे फर्मेसी में वेक्सीन स्टोरेज/कोल्ड चेन सुविधा का निरीक्षण किया गया। जूनवानी भिलाई में स्थित अभिषेक मिश्रा अस्पताल श्री शंकराचार्य अस्पताल, नेहरू नगर स्थित हाईटेक अस्पताल में संचालित ओ.पी.डी. आई.पी.डी. एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर, राम नगर स्थित स्पर्श अस्पताल के तीनों ओ.पी.डी. आई.पी.डी. एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर तथा शास्त्री नगर भिलाई में संचालित बी.एम. शाह अस्पताल के ओ.पी.डी.एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर में वेक्सीन स्टोरेज/कोल्ड चेन सुविधा का जांच किया गया। इस संबंध में रेफ्रिजरेटर टेम्परेचर डिस्प्ले, लागर रिकार्ड एवं वैक्सीन ट्रांसपोर्ट सुविधा/वैक्सीन कैरियर उपलब्धता की जांच की गई। उक्त के साथ-साथ वैक्सीन के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड का मिलान किया गया, इस प्रकार कुल 10 फर्मो के वैक्सीन स्टोर का निरीक्षण किया गया।समस्त संस्थानों में वैक्सीन का संधारण नियमानुसार उचित तापमान पर पाया गया। समस्त फर्मो को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियम 1945 का कड़ाई से पालन करते हुए फर्म संचालन के निर्देश दिये गए। । भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

ईद मिलन में सम्मानित हुई महिला प्रतिभाएं

भिलाई। हजरत बीबी फातिमा जोहरा कमेटी की ओर से ईद मिलन और सम्मान समारोह का आयोजन जामा मस्जिद सेक्टर-6 के कम्युनिटी हॉल में रखा गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के तौर पर पद्मश्री सबा अंजुम-अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पद्मश्री, आशा बहन-ब्रह्मा कुमारी सेक्टर-7, तंजीन इरफान- पत्नी इरफान उल हक एएसपी बटालियन बालोद, सरस्वती धनेश्वर- अंतर्राष्ट्रीय शांति समिति प्रमुख और मानवाधिकार आयोग के सदस्य, डॉ. शबाना बीआईटी दुर्ग, रुबीना-प्रिंसिपल नेहरू नगर स्कूल, कौसर प्रिंसिपल क्रिसेंट पब्लिक स्कूल फरीद नगर भिलाई दुर्ग, शिखा रॉय- कांग्रेस प्रदेश सचिव, प्रभा राव- सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर, पुलिस विभाग , पोलम्मा- सामाजिक कार्यकर्ता दुर्ग, शायना कुरैशी- पुलिस विभाग, काउंसलर, अंजुम अली-अल-मदद सोसायटी और यास्मीन खान सदर इकरा टीचर्स एसोसिएशन थे।

प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने की सुशासन तिहार की तैयारियों की समीक्षा

■ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े दुर्ग, बालोद, बस्तर व मोहला-मानपुर जिलों के प्रशासनिक अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुशासन तिहार के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में बालोद, बस्तर एवं मोहला-मानपुर जिलों के प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए।

समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मनरेगा भुगतान, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड वितरण, राजस्व प्रकरण, शिक्षा, जाति प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने इन प्रयासों की सराहना की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि शिविरों में पुलिस विभाग द्वारा स्टॉल लगाया जाएगा, जहां नशा मुक्ति, यातायात नियम, साइबर फ्रॉड (टोल फ्री नंबर 1092) सहित अन्य जागरूकता संबंधी जानकारी दी जाएगी।

प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि सुशासन तिहार में विशेष रूप से राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए और कोई भी मामला समय-सीमा से बाहर न रहे। उन्होंने नक्शा-खसरा नि:शुल्क उपलब्ध कराने, बंटवारा, सीमांकन और नामांतरण जैसे मामलों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिविरों की जानकारी जनप्रतिनिधियों, पंचायत एवं समाज प्रमुखों तक समय पर पहुंचाई जाए। साथ ही मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए सभी लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में 'सेवा सेतु' पोर्टल के प्रचार-प्रसार के लिए शिविरों में स्टॉल लगाने और डेमो देने की व्यवस्था करने को कहा गया, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी प्रकार का लेन-देन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योजना की सख्त मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। इसके अलावा खाद वितरण, विद्युत आपूर्ति और पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त रखने, खराब बोर सुधारने, पाइपलाइन बिछाने और जरूरत पड़ने पर पानी टैंकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। शिविर स्थलों पर पेयजल, कूलर और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया। उन्होंने पुलिस विभाग को स्कूल-कॉलेजों में जाकर जागरूकता कार्यक्रम चलाने तथा साइबर अपराध, नशा और यातायात नियमों पर लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

मुनादी कराने का निर्देश

सुशासन तिहार के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने और ग्राम पंचायतों में कोटवार के माध्यम से मुनादी कराने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन का लाभ उठा सकें। प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों को मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर सुशासन तिहार को सफल बनाने के लिए कार्य करने के निर्देश दिए। एनआईसी दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, एसडीएम उत्तम ध्रुव, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई-चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खास-खबर

कलेक्टर ने मेधावी छात्रा रिया को घर जाकर दी बधाई

कवर्धा। जिले की मेधावी छात्रा रिया केशरवानी ने प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया गया है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर गोपाल वर्मा ने छात्रा के निवास पर पहुंचकर उन्हें सम्मानित करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर वर्मा ने छात्रा, उनके माता-पिता, परिजनों एवं विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि हेतु बधाई देते हुए कहा कि रिया की सफलता दृढ़ संकल्प, सतत परिश्रम एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सरगुजा के जंगल में भीषण आग, एक किमी क्षेत्र प्रभावित

सरगुजा। जिले के नेशनल हाईवे-130 से लगे ग्राम कुंवरपुर के जंगल में भीषण आग लगने से करीब एक किलोमीटर क्षेत्र प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं से जंगल में मौजूद पेड़-पौधों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। वहीं पर्यावरण पर भी खतरा मंडरा रहा है। आरोप हैं कि अज्ञात लोगों द्वारा बार-बार जंगल में आग लगाई जा रही है, लेकिन इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। घटनास्थल के पास में वन विभाग का कार्यालय मौजूद है, इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी बेखबर नजर आ रहे हैं। लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर 6 भालुओं ने किया हमला

गरियाबंद। जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण शुरू होते ही जंगल क्षेत्रों में जंगली जानवरों की सक्रियता बढ़ गई है। इसी बीच सड़क पारसोली वन परिक्षेत्र के हरदी गांव में भालुओं के हमले की घटना सामने आई है, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। जानकारी के अनुसार, हरदी गांव के ग्रामीणों का एक समूह तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए जंगल गया हुआ था। इसी दौरान अचानक 6 भालुओं के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। भालुओं को देखकर ग्रामीण इधर-उधर भागने लगे, लेकिन भालुओं ने उनका पीछा करते हुए हमला कर दिया। इस हमले में दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी तरह दोनों ने अपनी जान बचाई और घटना की जानकारी परिजनों को दी। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम-जनमन : पीव्हीटीजी अंचलों में विकास की नई इबारत, विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के जीवन में दिख रहा सकारात्मक बदलाव

नूतन सिदार, सुनील त्रिपाठी

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री जनमन योजना का जशपुर जिले में प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिससे सुदूर पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत पहाड़ी कोरवा सहित अन्य विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को साकार करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में इस योजना को जिले में सुनियोजित तरीके से लागू किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

योजना के तहत इन अंचलों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सड़क और दूरसंचार जैसी मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। पहले जहां पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

आजीविका संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। सन्ना स्थित वनधन केंद्र में फॉक्सटेल बाजरा के प्रोसेसिंग हेतु आधुनिक मशीन स्थापित की जा रही है, जिससे स्थानीय समुदाय को तकनीकी प्रशिक्षण मिलने के साथ उनकी आय में वृद्धि होगी। उत्पादों का विपणन राज्य स्तर के नेटवर्क के माध्यम से किया जाएगा और प्राप्त आय सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में जमा होगी।

पीएम-जनमन योजना के तहत जिले में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। 11 बहुउद्देशीय केंद्रों का निर्माण किया गया है, वहीं 1233 पक्के आवास पूर्ण कर परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया गया है। 17 आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। विद्युत सुविधा के क्षेत्र में 1474 घरों का विद्युतीकरण किया गया है, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक है, साथ ही 43 घरों को सौर ऊर्जा से रोशन किया गया है। संचार सुविधा सुदृढ़ करने के लिए 14 मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं।

सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। 146 कौशल एवं रोजगारपरक गतिविधियों के माध्यम से आजीविका के अवसर सृजित किए गए हैं। 3378 आधार कार्ड, 8135 आयुष्मान भारत कार्ड, 465 किसान क्रेडिट कार्ड और 3290 बैंक खाते खोले गए हैं। इसके अतिरिक्त 5601 जाति प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं, 4070 हितग्राही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाभान्वित हुए हैं और 70 महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लाभ मिला है। वहीं 5830 राशन कार्ड बनाकर सभी पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ा गया है। इस प्रकार, पीएम-जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। यह योजना न केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, बल्कि इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

किरंदुल में 'इको पार्क' की पहल, दिखेगी जैव विविधता की झलक

प्राकृतिक सौंदर्य को संरक्षित और विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार किरंदुल के प्राकृतिक सौंदर्य को संरक्षित और विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वन विकास निगम और एनएमडीसी के संयुक्त प्रयास से यहां एक आधुनिक 'इको पार्क' का निर्माण किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए प्रशासन द्वारा उपयुक्त भूमि का चयन भी कर लिया गया है।

इस इको पार्क की सबसे खास बात इसकी थीम होगी। पार्क में 'भारतीय जैव विविधता' को प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। यहां देश के विभिन्न हिस्सों में पाई जाने वाली वनस्पतियों और प्राकृतिक संपदाओं की जानकारी लोगों को मिलेगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ेगी।

पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए इको पार्क एक बेहतरीन तरीका है। ये पार्क प्राकृतिक आवासों को संरक्षित करने और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए बनाए जाते हैं। हम एक ऐसे विश्व में रहते हैं जहाँ जैव विविधता, पर्यावरणीय न्याय, जलवायु परिवर्तन, पर्यावास संरक्षण और सतत आर्थिक विकास सामाजिक और पर्यावरणीय दोनों आवश्यकताएँ हैं। जब शहरी पर्यावरण पार्क पारिस्थितिक रूप से डिज़ाइन किए गए परिदृश्य होते हैं, तो वे सांस्कृतिक और शैक्षिक भूमि का एक उपजाऊ हिस्सा बना सकते हैं जिसमें स्थिरता जड़ पकड़ सकती है और आने वाली पीढ़ियों तक फैल सकती है

यह परियोजना विकास और पर्यावरण के संतुलन का बेहतरीन उदाहरण बनेगी। इसके दो प्रमुख उद्देश्य हैं। स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा देना। पार्क के निर्माण और संचालन से क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा।

इको पार्क को प्रकृति शिक्षा का केंद्र भी बनाया जाएगा

इको पार्क को प्रकृति शिक्षा का केंद्र भी बनाया जाएगा। यह स्कूली छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए 'लिविंग लैबोरेटरी' की तरह काम करेगा, जहां वे प्रकृति और जैव विविधता के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वन विकास निगम के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन और एनएमडीसी के सहयोग से बनने वाला यह इको पार्क न केवल किरंदुल की सुंदरता को बढ़ाएगा, बल्कि विकास और पर्यावरण के सह-अस्तित्व का प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा।

स्मृति पुस्तकालय योजना : अब तक 12 हजार से अधिक पुस्तकें मिलीं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से लोग स्वेच्छा से पुस्तकें और इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट दान कर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

इसी क्रम में आज सहायक शिक्षक सोनिया शुक्ला ने इतिहास, विज्ञान, गणित और प्रतियोगी परीक्षाओं की 25 पुस्तकें जिला प्रशासन को दान कीं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सोनिया शुक्ला ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी विभागीय बैठक के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा कि समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने की भावना से उन्होंने पुस्तक दान का निर्णय लिया। उन्हें खुशी है कि इन पुस्तकों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत अब तक 12 हजार पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान किए जा चुके हैं। इन संसाधनों का लाभ लेकर अनेक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को नई दिशा दे रहे हैं। जिला प्रशासन ने अपील की है कि वे भी इस पुनीत पहल से जुड़कर ज्ञान के दान में भागीदार बनें।

रायगढ़ प्रेस क्लब को मिला भवन, 50 लाख का मिला अनुदान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायगढ़ के पत्रकारों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने वार्ड क्रमांक 27 में 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले प्रेस क्लब सामुदायिक भवन का विधिवत शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों को बधाई देते हुए इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रेस क्लब भवन के निर्माण के लिए पत्रकार साथियों द्वारा निरंतर प्रयास, संवाद और फॉलोअप किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आज यह कार्य प्रारंभ हो सका है। उन्होंने बताया कि भूमि संबंधी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शासन से 20 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई, जबकि 30 लाख रुपये विधायक निधि से स्वीकृत किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है, जो समाज के महत्वपूर्ण वर्गों को सशक्त बनाते हैं। नगर निगम के माध्यम से टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर

कार्य शीघ्र प्रारंभ करने पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सराहना की तथा निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कोरबा प्रेस क्लब के सुव्यवस्थित भवन का उल्लेख करते हुए कहा कि रायगढ़ में भी उसी स्तर का आधुनिक और सुसज्जित भवन विकसित किया जाएगा, जिससे पत्रकारों को गरिमामय वातावरण मिल सके। उन्होंने भवन के डिजाइन को इस प्रकार तैयार करने के निर्देश दिए कि भविष्य में प्रथम तल का विस्तार संभव हो। साथ ही परिसर में पार्किंग, गार्डन और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया।

उन्होंने मुख्य मार्ग के संभावित चौड़ीकरण को ध्यान में रखते हुए भवन निर्माण के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने बताया कि रायगढ़ में वर्तमान में 100 से अधिक विकास कार्य विभिन्न चरणों में संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन का उद्देश्य केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। रायगढ़ के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान ने कहा कि प्रेस क्लब का यह भवन समाज के सशक्त स्तंभ को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में रायगढ़ में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं।

प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष श्री पुनीराम रजक ने कहा कि यह भवन पत्रकारों के लंबे समय से संजोए गए सपने को साकार करेगा। उन्होंने कहा कि रायगढ़ में शिक्षा, अधोसंरचना और शहरी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनमें नालंदा लाइब्रेरी जैसी परियोजनाएं प्रमुख हैं।

इस अवसर पर नगर निगम सभापति डिग्री लाल, जनपद अध्यक्ष हेमलता चौहान, अरुणधर दीवान, गुरुपाल भल्ला, सुभाष पाण्डेय, श्रीकांत सोमावार, विवेक रंजन सिन्हा, विकास केडिया, सुरेश गोयल, पूनम सोलंकी, मधुलता पटेल, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री हेमंत थवाईत, सचिव श्री नवीन शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री पुनीराम रजक, वरिष्ठ पत्रकार श्री सुभाष त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं नागरिक उपस्थित रहे।

अपनी विशिष्टता को पहचान कर करें करियर का चुनाव : कुलपति मनोज दयाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि सभी बच्चों में कुछ न कुछ खुबियाँ जरूर होती हैं। आपको उन खूबियों को पहचान कर आगे बढ़ना है। सचिन तेन्दुलकर और अमिताभ बच्चन ने अपनी प्रतिभा को पहचाना और सही मार्ग चुना। उसी तरह आपको भी सही राह चुनना होगा। इसमें मेडिटेशन आपकी बहुत मदद करेगा। भौतिक शिक्षा तो स्कूलों में आपको मिल ही रही है ब्रह्माकुमारीज के समर कैम्प में आपको आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।

प्रो. मनोज दयाल आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी रायपुर में आयोजित समर कैम्प के उद्घाटन अवसर पर बच्चों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि समर कैम्प आपको अपनी प्रतिभा को पहचानने का अवसर देता है। उन्होंने अंग्रेजी के अक्षर चार-सी का उल्लेख करते हुए बतलाया कि सफल होने के लिए इसे जीवन में धारण करें। पहला सी अर्थात करेज यानि निडर व साहसी बनें, दूसरा सी अर्थात कान्फीडेन्स यानि आत्मविश्वासी बनें, तीसरा सी अर्थात चियरफुल अर्थात खुश रहें और चौथा सी यानि कान्सन्ट्रेशन अर्थात एकाग्रता को बढ़ाएं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश व्यास ने बच्चों में उत्साह का संचार करते हुए कहा कि यहाँसमर कैम्प में जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी जो कि आगे हर कदम पर आपको मदद करेगा। उनके खुद के व्यक्तित्व में भी ब्रह्माकुमारीज की शिक्षाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। यह डिजीटल युग का जमाना है जो कि आप बच्चों को भटकाएगा। लेकिन राजयोग मेडिटेशन मन की एकाग्रता को बढ़ाएगा। हमारे पास अधिकतर अभिभावक शिकायत लेकर आते हैं कि बच्चा पढ़ाई में कम और मोबाईल में ज्यादा समय बिताता है। आजकल यह बहुत बड़ी चुनौति बन गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप बच्चे बहुत ही भाग्यशाली हैं जो यहाँ उच्च आदर्शों वाली ब्रह्माकुमारी संस्थान में आए हैं। यहाँ प्राप्त शिक्षाओं को जीवन में धारण करें। बड़ों का आदर करें और आदर्शों को अपनाएं। अच्छे इन्सान बनकर अपने माता-पिता का नाम रौशन करें। उन्होंने बतलाया कि आप एक चौथाई शिक्षा ही स्कूलों से प्राप्त करते हैं शेष आपको साथियों से और जीवन पर्यन्त अपनी मेहनत से प्राप्त करनी होती है।

पुसगुड़ा में महुआ पेड़ के नीचे लगी जनचौपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत सुकमा के ग्राम पुसगुड़ा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। महुआ के पेड़ के नीचे ही जनचौपाल का आयोजन किया गया। सभी ने नीचे बैठकर यहां न केवल संवाद किया बल्कि भोजन भी किया।

करीब 106 की आबादी वाले इस छोटे से गांव में कलेक्टर का जमीन पर बैठकर संवाद करना प्रशासन की संवेदनशीलता का प्रतीक बना। 'नियद नेल्लानार योजना 2.0', 'बस्तर मुन्ने' और 'सुशासन तिहार' के तहत आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं।

कलेक्टर ने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान कर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। 'सुशासन तिहार' के तहत प्रशासन की पहल अब सुदूर वनांचल क्षेत्रों में भी असर दिखा रही है। सुकमा जिले के अंतिम छोर पर

स्थित ग्राम पुसगुड़ा में कलेक्टर श्री अमित कुमार ने महुआ पेड़ की छांव में ग्रामीणों के साथ बैठकर जनचौपाल लगाई और उनकी समस्याएं सुनीं। जनचौपाल के दौरान खराब हैंडपंप की शिकायत मिलते ही उसे तुरंत ठीक कराया गया। इसके अलावा गांव में आवश्यक सामुदायिक कार्यों के लिए 20 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई, जिससे बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सुशासन की सच्ची तस्वीर बताया।

जनचौपाल के दौरान गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए पक्की सड़क निर्माण हेतु प्रस्ताव तत्काल मंगाया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए गांव को 'तूफान' सवारी वाहन देने की घोषणा की गई। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पुसगुड़ा के ग्रामीणों ने बताया कि अब गांव में बिजली पहुंच गई है और जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल से पानी मिल रहा है। श्रम कार्ड बनने से उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल आदेश जारी करना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से हर गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर एसडीएम श्री सुभाष शुक्ला, जनपद सीईओ श्री सुमित ध्रुव और एडिशनल एसपी श्री मनोज तिर्की सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

10वीं-12वीं के टॉपर्स से मिले प्रभारी कलेक्टर व एसएसपी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में रायगढ़ जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के टॉप-10 में अपनी जगह बनाई है। जिले से कुल 8 विद्यार्थियों ने टॉप टेन में स्थान हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है, जिनमें कक्षा 10वीं से 2 एवं कक्षा 12वीं से 6 विद्यार्थी शामिल हैं। इन सभी मेधावी विद्यार्थियों ने जिला कलेक्टोरेट पहुंचकर प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह से सौजन्य मुलाकात की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी लगन और मेहनत के साथ विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एडीएम अपूर्व प्रियेश टोप्पो, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने चर्चा के दौरान अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन को दिया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'इमरजेंसी में सैफ अली खान को नहीं करूंगी कॉल!'

जब प्रीति जिंटा ने किया था चौंकाने वाला खुलासा, बताई थी वजह

प्रीति जिंटा ने एक बार खुलासा किया था कि वह मुश्किल वक्त में सैफअली खान को कॉल क्यों नहीं करेंगी। जानिए उन्होंने ऐसा क्यों कहा था। रियलिटी चैट शो 'कॉफी विद करण' के दूसरे सीजन में प्रीति ने एक मजेदार लेकिन हैरान करने वाला किस्सा शेयर किया था। इसके साथ उन्होंने ये भी कहा था कि वे मुश्किल वक्त में सैफ अली खान को कॉल नहीं करेंगी। आखिर प्रीति जिंटा ने ऐसा क्यों कहा? आइए जानते हैं।

प्रीति ने ऐसा क्यों कहा?

'कॉफी विद करण' में जब होस्ट करण जोहर ने उनसे पूछा कि अगर उनका किडनैप हो जाए तो वह इंडस्ट्री में सबसे आखिरी किसे कॉल करेंगी, तो प्रीति ने सैफअली खान का नाम लिया।

इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा, 'क्योंकि मैं सुनामी में फंस गई थी और वह मेरे जीवन का सबसे खराब अनुभव था। उस समय सैफ ने मुझे मैसेज भेजा- 'हैलो प्रीति, पानी के अंदर या कहां?' उनके इस सवाल पर मैं बस सोच रही थी, ये कैसे इंसान है।'

आपदा में फंस गई थीं प्रीति

जानकारी के लिए बता दें कि 26 दिसंबर 2004 को हिंद महासागर में आई भयंकर सुनामी ने करीब 14 देशों में 2.3 लाख से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। उस समय प्रीति अपने दोस्तों के साथ फुकेत में छुट्टियां मना रही थीं और इस आपदा में फंस गई थीं।

दोनों एक्टर्स इन फिल्मों में आए नजर

प्रीति जिंटा और सैफ अली खान ने साथ में 'कल हो ना हो' और 'सलाम नमस्ते' जैसी फिल्मों में काम किया है, जहां उनकी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगी प्रीति

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रीति जिंटा जल्द ही फिल्म 'लाहोर 1947' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं, जिसमें सन्नी देओल, शबाना आजमी, अली फजल और अभिमन्यू सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसकी कहानी भारत के बंटवारे पर आधारित है।

'जितना काम करूं उतना कम लगता है';

आठ घंटे शिफ्ट की बहस के बीच दीपिका ने लंबे समय तक काम करने को सही ठहराया

टीवी सीरियल 'दीया और बाती' फेम एक्ट्रेस दीपिका सिंह हाल ही में लंबे घंटों तक काम करने को सही ठहराती दिखीं। वे खुद ऐसा क्यों करती हैं और कहां से प्रेरणा मिलती है, यह भी बताया।

इंडस्ट्री में बीते कुछ समय से आठ घंटे शिफ्ट का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स के सामने कथित तौर पर आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की शर्त रखी। सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। तब से तमाम हीरो-हीरोइन इस विषय पर बात कर चुके हैं और अपने-अपने मत दे चुके हैं। आठ घंटे की शिफ्ट की बहस के बीच हाल ही में चर्चित टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह लंबे काम के घंटों को सही ठहराती दिखीं।

दीपिका ने 24 की उम्र में जॉइन की थी इंडस्ट्री

अभिनेत्री दीपिका सिंह हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने पैपराजी से बात करते हुए लंबे घंटों तक काम करने की अपनी आदत पर बात की। दीपिका ने कहा, 'मैंने जब इंडस्ट्री जॉइन की तब मैं 24 साल की थी। अब मैं जितना काम करूं, उतना कम लगता है'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं 12 घंटे काम करती हूं। अगर मुझे लगता है कि सीन बचे हैं तो 13 से 14 घंटे भी काम करती हूं'।

'यह क्रिएटिव फील्ड है, यहां टाइम लगता है'

दीपिका सिंह ने बताया, 'मुझे काम का इतना जुनून है कि मुझे उसमें टाइम की चीजें नजर नहीं आतीं। मुझे लगता है कि कम घंटे देंगे तो क्वालिटी कम हो जाएगी। डायरेक्टर को टाइम नहीं मिलेगा, सीन को उस तरह शूट करने के लिए'।

एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि लोगों की शिकायत होती है कि 12-12 घंटे काम होता है, इस पर क्या कहेंगी? तब दीपिका ने कहा, 'जब फैमिली को टाइम देना होता है, तो परेशानी होती है। लेकिन, यह समझना होगा कि यह क्रिएटिव फील्ड है, इसमें टाइम लगता ही है। हमारे साथ क्या है कि जब काम होता है तो बहुत होता है। नहीं होता तो बिल्कुल नहीं होता'।

बोलीं- 'मोटिवेशन के लिए अपना पहला दिन याद कर लेती हूं'

दीपाक ने बताया, 'जब कभी मुझे लगता है कि काम ज्यादा हो रहा है तो मैं अपना पहला दिन याद करती हूं कि मैं ट्रेन से आई थी और अब फ्लाइट से जाती हूं। यही सोच लेती हूं कि अभी तो बहुत कुछ पाना है। अभी से हार जाऊंगी तो आगे क्या करूंगी'। दीपिका सिंह हाल ही में 'अनुपमा' फेम रुपाली गांगुली की बर्थडे पार्टी में शामिल हुईं। उन्होंने इसकी वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

तुम्बाड 2 में आलिया भट्ट जमाएंगी रंग, खास किरदार से फैंस को देंगी तोहफा

सोहम शाह की तुम्बाड 2 बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म से आधिकारिक पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज पर अपडेट दिया था। अब एक और जानकारी फैंस को उत्साहित कर देगी क्योंकि फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट का नाम भी जुड़ गया है। जाहिर है कि सोहम शाह फिल्म्स और पेन स्टूडियोज मिलकर तुम्बाड 2 का बड़े पैमाने पर निर्माण कर रहे हैं। वहीं आदेश प्रसाद फिल्म के निर्देशक हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, लोक कथाओं पर आधारित इस हॉरर फिल्म में आलिया एक विशेष भूमिका निभाएंगी। सूत्र ने बताया, निर्माताओं को एक ऐसे कलाकार की जरूरत थी जो कम स्क्रीन टाइम में गंभीरता और रहस्य का भाव ला सके। आलिया इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त थीं। सूत्र ने आगे कहा कि फिल्म में आलिया एक छोटी सी भूमिका निभाएंगी जो कहानी के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी। यही नहीं फिल्म का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

तुम्बाड 2 की शूटिंग फिलहाल मुंबई में चल रही है। जल्द ही अभिनेत्री शूटिंग के लिए परियोजना में शामिल होंगी। इस बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। खबरों की मानें, तो मुख्य अभिनेत्री के लिए प्रियंका चोपड़ा, नयनतारा और कैटरीना कैफ के नाम सबसे ऊपर हैं। बता दें, इस परियोजना की पहली किस्त तुम्बाड 2018 में आई थी। इसे 2024 में दोबारा रिलीज किया गया था, जिसकी सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने सीक्वल का ऐलान किया।

फिल्म डकैत की ओटीटी रिलीज पर आया अपडेट, 8 मई को प्राइम वीडियो पर देगी दस्तक

आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैत: एक प्रेम कथा ने 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन करने के बाद, फिल्म अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। शेनिल देव द्वारा निर्देशित यह एक एक्शन-रोमांटिक ड्रामा है, जिसे हिंदी और तेलुगु में साथ में फिल्माया गया था। समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल करने वाली यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर घर बैठे दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है।

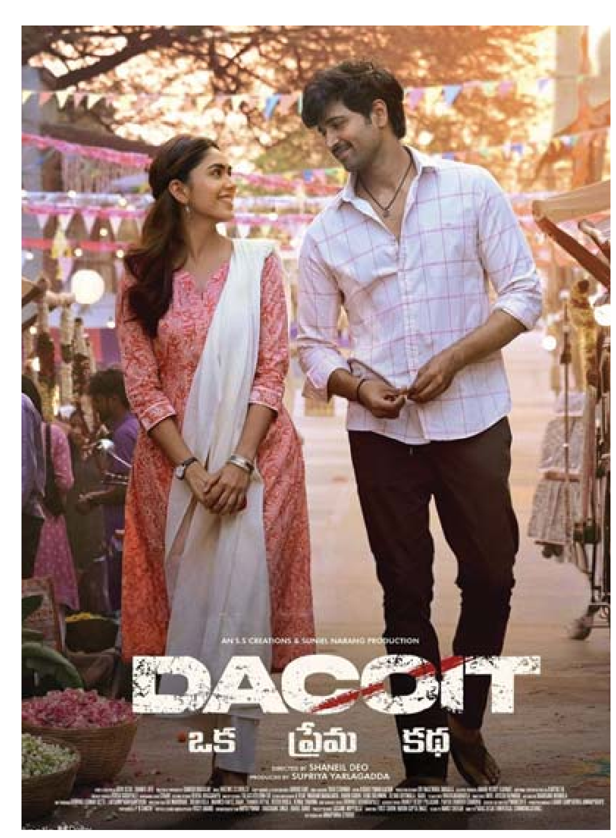

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म डकैत 8 मई, 2026 को प्राइम वीडियो पर मौजूद हो सकती है। इसे कई भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा जिससे साफ है कि अलग-अलग क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा दर्शक इसका घर बैठकर लुत्फ उठा सकेंगे। खबरें यह भी हैं कि 6 हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद हिंदी संस्करण भी उसी दिन रिलीज होगा। हालांकि फिल्म की डिजिटल रिलीज को लेकर निर्माताओं का आधिकारिक बयान आना बाकी है।

यह फिल्म हरि (अदिवि) और सरस्वती उर्फ जूलियट (मृणाल) के बीच प्यार और विश्वासघात की कहानी दर्शाती है। इसकी शुरुआत 2021 से होती है, जब हरि जेल से भागने की कोशिश करता है क्योंकि उसकी प्रेमिका जूलियट उसके खिलाफ गवाही दे देती है। फिल्म में दोनों के अभिनय को लोगों की काफी सराहना मिली है। इसमें अदिवि और मृणाल के अलावा, अनुराग कश्यप, अतुल कुलकर्णी, प्रकाश झा और जैन मैरी जैसे सितारे भी हैं।

महिलाओं में कोलेजन की कमी की चेतावनी देते हैं ये 5 शुरुआती संकेत, न करें नजरअंदाज

कोलेजन एक ऐसा प्रोटीन है, जो हमारे शरीर में त्वचा, बाल, नाखून और हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं के शरीर में कोलेजन की मात्रा कम होने लगती है, जिससे त्वचा में झुर्रियां, बालों का झड़ना और नाखूनों के कमजोर होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको कोलेजन की कमी के 5 ऐसे संकेत बताते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए।

चेहरे पर झुर्रियां होना

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं के चेहरे पर झुर्रियां आना आम बात है। हालांकि, अगर आपको 30 की उम्र से पहले ही झुर्रियां दिखाई देने लगें तो यह कोलेजन की कमी का संकेत हो सकता है। कोलेजन की कमी के कारण त्वचा में लचीलापन कम हो जाता है, जिससे झुर्रियां जल्दी दिखने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी त्वचा की देखभाल पर ध्यान दें और कोलेजन वाले उत्पादों का उपयोग करें।

त्वचा का ढीला होना

अगर आपकी त्वचा पहले से ढीली होने लगी है तो यह भी कोलेजन की कमी का एक संकेत हो सकता है। कोलेजन की कमी होने पर त्वचा का आधार कमजोर हो जाता है, जिससे वह ढीली और सुस्त दिखने लगती है। इस समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अपनी त्वचा की सफाई करें और नमी देने वाले उत्पाद का उपयोग करें। इसके अलावा हाइड्रेटेड रहने के लिए पर्याप्त पानी पिएं और पौष्टिक आहार लें।

आंखों के नीचे काले घेरे होना

आंखों के नीचे काले घेरे होना भी कोलेजन की कमी का एक आम संकेत है। यह समस्या नींद की कमी, तनाव या उम्र बढ़ने के कारण हो सकती है। हालांकि, अगर आप इन कारणों से प्रभावित नहीं हैं तो यह कोलेजन की कमी का संकेत हो सकता है। इस समस्या से बचने के लिए पर्याप्त नींद लें, तनाव कम करें और आंखों की देखभाल के लिए खास ध्यान दें। ज्यादा परेशानी होने पर विशेषज्ञ से मिलें।

बालों का पतला होना

अगर आपके बाल तेजी से पतले हो रहे हैं तो यह भी कोलेजन की कमी का एक अहम संकेत हो सकता है। कोलेजन न होने पर बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं, जिससे उनका घनत्व कम हो जाता है और वे पतले दिखने लगते हैं। इस समस्या से बचने के लिए बालों की देखभाल पर खास ध्यान दें और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें, ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें और टूटें नहीं।

नाखूनों का कमजोर होना

अगर आपके नाखून कमजोर होकर टूटने लगते हैं तो यह भी कोलेजन की कमी का एक अहम संकेत हो सकता है। कोलेजन न होने पर नाखून कमजोर होकर टूटने लगते हैं, जिससे उनका आकार बिगड़ जाता है और वे सुंदर नहीं दिखते। इस समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से नाखूनों की सफाई करें और उन्हें नमी दें। इसके अलावा हाइड्रेटेड रहने के लिए पर्याप्त पानी पिएं और पौष्टिक आहार लें।

खास खबर

घुड़देवा हायर सेकेंडरी स्कूल का रहा 100 फीसदी परिणाम

कोरबा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुडदेवा में स्थानीय परीक्षा परिणाम की घोषणा शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की अध्यक्षा अनिता राजपूत, प्राचार्य जयश्री माहुलीकर , वरिष्ठ व्याख्याता आर के पात्रे, परीक्षा प्रभारी सीजुवेन्द्र साव स्टाफ के सभी सदस्यों की उपस्थिति में की गयी। नवमी में प्रथम स्थान प्रियांशी कंवर 84.3%, द्वितीय दिव्या मनहर 83.4%, तृतीय स्थान प्रिया 80% रहीं, इसी प्रकार 11 वी में प्रथम आन्या 66%, द्वितीय श्वेता 65.8%, तृतीय चंचल लहरे 63.2% प्राप्त किया। सभी को प्राचार्य एवं अध्यक्षा द्वारा शील्ड देकर सम्मानित किया। बोर्ड परीक्षा में हाइ स्कूल परिणाम 69.5% व हायर सेकेण्डरी में कला संकाय का परिणाम100%, वाणिज्य संकाय 100% एवं विज्ञान संकाय 75% रहा।

छत्तीसगढ़ एकलव्य विद्यालय की बड़ी उपलब्धि

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर निवासी कृतिका टेकामने सीबीएसई 10 वीं बोर्ड की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल कीहै। होनहार छात्रा कृतिका ने संपूर्ण देश में संचालित लगभग 750 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कृतिका को उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है।

आंधी-तूफान से सरिया क्षेत्र में बिजली व्यवस्था बाधित

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सरिया तहसील क्षेत्र में गुरुवार दोपहर को आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तेज हवाओं के चलते बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए, जिससे बिजली पोल और तारों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। कई जगह ट्रांसफर्मर भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके कारण इलाके की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। तूफान का सबसे ज्यादा असर सरिया क्षेत्र के बरपाली, कांदूरपाली, पंचधार और बुदबुदा गांवों में देखने को मिला। यहां बिजली लाइनें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तापमान में गिरावट, तेज हवाओं के साथ छींटों की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर करवट ले रहा है। आसमान में लगातार बादल छाने और सक्रिय मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से प्रदेश में तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक, वज्रपात और हल्की बारिश की संभावना जताई है। प्रदेश के कई हिस्सों में शुक्रवार को आंशिक बादल और हल्की बारिश देखने को मिली। इससे दिन के तापमान में गिरावट आई और गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह बदलाव आने वाले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले 4 दिनों तक छत्तीसगढ़ के सभी संभागों में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। इसके साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात की भी संभावना है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा दर्ज की गई, जिससे मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला।

इनक्रेडिबल इंडिया की थीम पर थिरके विद्यार्थी - गीताक्षरा बनी स्टूडेंट ऑफ द ईयर

■ आईआईएचएम नया रायपुर का पाँचवाँ वार्षिक उत्सव संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट नया रायपुर द्वारा आयोजित पाँचवाँ वार्षिक उत्सव शनिवार को महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय ऑडिटोरियम में अत्यंत भव्यता के साथ संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित इस संस्थान के समारोह की इस वर्ष की थीम इनक्रेडिबल इंडिया रही, जिसके माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक विरासत का जीवंत प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्षा सुश्री मोना सेन और छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन और राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' के साथ समारोह का गरिमामय आगाज़ हुआ।

संस्थान के प्राचार्य विवेक आचार्य ने वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि आईआईएचएम केवल छात्रों को तकनीकी रूप से दक्ष बना रहा है, बल्कि उन्हें वैश्विक आतिथ्य उद्योग की चुनौतियों के लिए भी तैयार कर रहा है।

समारोह के दौरान शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष का प्रतिष्ठित 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' पुरस्कार गीताक्षरा साहू को प्रदान किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में छात्रों को पर्यटन क्षेत्र में नवाचार के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उत्सव का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ रहीं। शास्त्रीय नृत्य, कथक और दक्षिण भारतीय शास्त्रीय नृत्यों ने भारतीय परंपरा की गहराई को मंच पर उतारा। लोक संस्कृति के तहत छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य की प्रस्तुति ने क्षेत्रीय माटी की महक बिखेरी। फ्यूजन 'फेस्टिवल्स ऑफ इंडियन डांस' थीम के तहत देश के विभिन्न कोनों की नृत्य शैलियों का अद्भुत संगम देखने को मिला।

यह उत्सव न केवल विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने का मंच बना, बल्कि आतिथ्य सत्कार और भारतीय संस्कृति के समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी साबित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में मिली उज्जवला गैस, लकड़ी चूल्हे से मिली मुक्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार ने ग्राम धनरास की गृहिणी माधुरी के जीवन में नई रोशनी भर दी है। वर्षों से लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाने की मजबूरी झेलती आ रही माधुरी आज बेहद खुश है, क्योंकि शिविर में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत उन्हें नि:शुल्क गैस कनेक्शन, सिलेंडर और चूल्हा प्रदान किया गया है।

गर्मी, धुआँ और हर दिन लकड़ी जुटाने की चिंता माधुरी के लिए हमेशा से एक बड़ी परेशानी रही। दो छोटे बच्चों और मजदूरी करने वाले पति की देखभाल के बीच लकड़ी से चूल्हा जलाना उनके लिए थका देने वाला काम बन गया था। गैस कनेक्शन के लिए उन्होंने कई बार पैसे जोड़े, लेकिन पूरी राशि एक साथ जमा न कर पाने के कारण वह गैस कनेक्शन नहीं ले पाई।

माधुरी ने बताया कि उनके गाँव धनरास मे सुशासन तिहार के तहत शिविर लगने वाली है। शिविर में ग्रामीण अपना आवेदन देकर शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्हें यह भी जानकारी मिली कि शिविर में आवेदन देकर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इस जानकारी के बाद माधुरी ने तुरंत आवेदन दिया।

आवेदन की जांच के उपरांत खाद्य विभाग द्वारा उनका चयन किया गया और उन्हें शिविर में गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए बुलाया गया।

शिविर में उद्योग, वाणिज्य और श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने स्वयं माधुरी को गैस कनेक्शन, सिलेंडर और चूल्हा प्रदान किया। गैस चूल्हा मिलने के बाद माधुरी ने बताया कि लकड़ी का चूल्हा जलाना उनके लिए बेहद कठिन था और अब गैस मिलने से खाना बनाना बहुत आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि दो छोटे बच्चों और मजदूरी करने वाले पति के लिए कभी भी तुरंत चूल्हा जलाकर भोजन बनाना मुश्किल था, लेकिन अब केवल लाइटर ऑन करने भर से खाना-नाश्ता आसानी से तैयार हो जाएगा।

माधुरी को यह गैस कनेक्शन पूरी तरह नि:शुल्क प्रदान किया गया है। साथ ही 100 दिन का रोजगार पूरा करने पर उन्हें जॉब कार्ड भी दिया गया है, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा और मजबूत हुई है।

शिविर में कलिता बाई पति भरत लाल, ग्राम धनरास और नंदिनी वैष्णव पति अशोक कुमार, ग्राम धनरास को भी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन और चूल्हा प्रदान किया गया। दोनों महिलाओं ने गैस मिलने पर राहत व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजना से उन्हें असल लाभ प्राप्त हुआ है और सुशासन तिहार जैसे कार्यक्रम ग्रामीण हितग्राहियों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित हो रहे हैं।

सुशासन तिहार : शिव कुमार दुबे को तुरंत मिली वृद्धावस्था पेंशन की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

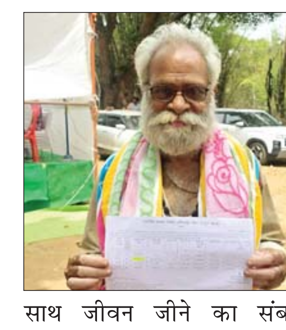

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप जिले में आयोजित सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविर आमजन, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए राहत का माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में सरगुजा जिले के ग्राम सखौली निवासी श्री शिव कुमार दुबे के लिए यह शिविर खुशियों की नई किरण लेकर आया, जहां उनकी वृद्धावस्था पेंशन का आवेदन त्वरित स्वीकृत कर उन्हें लाभान्वित किया गया।

पेंशन स्वीकृति पत्र प्राप्त होने पर श्री दुबे ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र में आर्थिक आत्मनिर्भरता चुनौतीपूर्ण होती है, लेकिन अब नियमित पेंशन से उनका जीवनयापन सुगमता से हो सकेगा और उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का संबल मिलेगा।

श्री दुबे ने राज्य शासन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के कारण अब उन्हें शासकीय कार्यों के लिए शहर के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। गांव में ही समस्याओं का समाधान मिल रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है। इन शिविरों का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। वृद्धावस्था पेंशन जैसे प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करना है।

पाली के वनांचल क्षेत्र में गर्मी से निकल रहे प्राण ; बिल पूरा, बिजली नदारद

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। छत्तीसगढ़ का कोरबा जिला, जिसे पूरे देश में 'उर्जाधानी' के नाम से जाना जाता है, आज एक गंभीर विडंबना का सामना कर रहा है। जहां एक ओर यह जिला बिजली उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, वहीं दूसरी ओर इसी जिले के कई गांव आज भी अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं।

मामला पाली ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र में बसे ग्राम सपलवा का है। यहां बिजली विभाग द्वारा लाइन विस्तार का काम तो किया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। गांव में महीने भर में सिर्फ2 से 3 दिन ही बिजली आती है, बाकी समय पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है। ग्रामीणों की परेशानी यहीं खत्म नहीं होती। जहां बिजली नाम मात्र की है, वहीं हर महीने हजारों रुपये के बिजली बिल थमा दिए जाते हैं। यानी ग्रामीणों को बिना सुविधा के ही पूरा भुगतान करना पड़ रहा है। लोगों में भारी आक्रोश है।

गांव का ट्रांसफॉर्मर पिछले दो महीनों से जला हुआ है। कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत दी, लेकिन अब तक न तो कोई अधिकारी मौके पर पहुंचा है और न ही समस्या के समाधान की कोई पहल की गई है। सपलवा ही नहीं, बल्कि आसपास के पहाड़ गांव और बारी उमराव गांव जैसे गांव भी वर्षों से इसी तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं। विकास के बड़े-बड़े दावे हो रहे हैं पर हकीकत में बुनियादी सुविधाएं तक लोगों को नहीं मिल पा रही हैं।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की मदद को आगे आए राज्यपाल

■ स्वेच्छानुदान मद से दिए पांच लाख रुपए

■ एम्स के दंत चिकित्सा विभाग मे मिल रही उपचार सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उपचार को लेकर राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। उन्होंने एम्स के दंत रोग चिकित्सा विभाग को अपने स्वेच्छानुदान से 5 लाख रुपए की राशि प्रदान की थी, जिसके माध्यम से इन बच्चों के दंत रोगों का उपचार किया जा रहा है।

आज राज्यपाल ने एम्स पहुंचकर दंत रोग चिकित्सा विभाग का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपचार के लिए आए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। बच्चों और उनके परिजनों से बातचीत करते हुए उन्होंने उपचार की प्रक्रिया और सुविधाओं के बारे में भी जाना।

राज्यपाल ने चिकित्सकों और संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सहज स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। एम्स के दंत विभाग में चल रही इस पहल से कई बच्चों को दंत रोगों से राहत मिल रही है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

नान सहोदर को मिला किसान क्रेडिट कार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार-2026 ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान और उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर ग्राम आमादरहा निवासी किसान श्री नान सहोदर तिर्की के लिए खुशियां लेकर आया, जहां उन्हें उनका बहुप्रतीक्षित किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किया गया।

श्री तिर्की ने बताया कि उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन किया था, जिस पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शिविर में ही उनका कार्ड उपलब्ध करा दिया। कार्ड मिलने से उन्होंने खुशी जताई और इसे अपने लिए बड़ी राहत बताया।

हितग्राही श्री तिर्की ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के कारण अब उन्हें शासकीय दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। गांव में ही समस्याओं का समाधान हो रहा है, जो एक सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि पहले खेती के लिए साहूकारों से ऋण लेना पड़ता था, जिस पर अधिक ब्याज देना होता था। अब किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से उन्हें कम ब्याज पर आसानी से ऋण उपलब्ध होगा और खेती-किसानी सुगम बनेगी।

सुशासन तिहार के अंतर्गत 10 जून तक जिले में आयोजित होने वाले जन समस्या निवारण शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इन शिविरों में न केवल आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है, बल्कि मौके पर ही प्रमाण पत्र एवं अन्य हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण कर लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।

धान छोड़कर फूलों की खेती ने बदली आनंदराम की तकदीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसान अब पारंपरिक धान की खेती छोड़कर फूलों की खेती अपनाकर अपनी तकदीर बदल रहे हैं। उद्यानिकी विभाग और सरकारी योजनाओं की मदद से गेंदा, गुलाब जैसे फूलों की वैज्ञानिक खेती कर किसान कम लागत में लाखों रुपये का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार आया है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन और उद्यानिकी विभाग से मार्गदर्शन मिलने के कारण किसान वैज्ञानिक पद्धति से अधिक उत्पादन ले रहे हैं। एक किसान आनंदराम सिदार की सफलता देखकर अब अन्य ग्रामीण भी परंपरागत खेती से आगे बढ़कर उद्यानिकी फसलों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

परंपरागत खेती के दौर में जहाँ किसान अक्सर कम मुनाफे से परेशान रहते हैं, वहीं रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखण्ड के एक छोटे से गाँव कोड़केल के किसान श्री आनंदराम सिदार ने नवाचार से समृद्धि की नई इबारत लिखी है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन की श्गेंदा क्षेत्र विस्तार योजनाश् का लाभ उठाकर आनंदराम ने अपनी आय में कई गुना वृद्धि की है।

आनंदराम सिदार पहले पारंपरिक धान की खेती पर निर्भर थे। वे 10 क्विंटल धान का उत्पादन कर मुश्किल से 31 हजार रुपए की कुल आय प्राप्त कर पाते थे, जिसमें से लागत काटकर उनके हाथ मात्र 22 हजार रुपए का लाभ आता था। लेकिन उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा फूल की खेती शुरू की, जिससे उनकी आय का ग्राफ अचानक बदल गया। वर्ष 2025-26 के दौरान उद्यानिकी विभाग ने उन्हें उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक प्रबंधन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। आनंदराम की मेहनत और विभागीय सहयोग का नतीजा यह रहा कि उन्होंने कुल उत्पादन लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल बेचकर

3 लाख रुपए से अधिक की कुल आमदनी हासिल की। धान की तुलना में बेहतर रिटर्न और कम समय में अधिक आय प्राप्त किया।

श्री सिदार की इस सफलता ने पूरे रायगढ़ जिले में गेंदा जैसी नगदी फसलों के प्रति अन्य किसानों का रुझान बढ़ा दिया है। अब क्षेत्र के कई किसान धान के स्थान पर फूलों की खेती को एक लाभकारी विकल्प के रूप में अपना रहे हैं। आनंदराम सिदार का कहना है कि शुरुआत में जोखिम लग रहा था, लेकिन उद्यानिकी विभाग के तकनीकी सहयोग और सही समय पर की गई देखरेख ने मेरी तकदीर बदल दी। आज मैं आत्मनिर्भर हूँ और अपने परिवार को बेहतर जीवन दे पा रहा हूँ।

रायगढ़ जिले में राष्ट्रीय बागवानी मिशन की गेंदा क्षेत्र विस्तार योजना से जुड़ने के बाद आनंदराम सिदार का जीवन की दिशा ही बदल गई। उद्यानिकी विभाग की सक्रियता से फूलों की खेती अब एक टिकाऊ और मुनाफे वाले व्यवसाय के रूप में उभर रही है। विभाग द्वारा लगातार किसानों को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्राम्लन उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

टैंकरों व कैप्सूल से 90 टन एलपीजी गैस गायब, 1.5 करोड़ का घोटाला, पुलिस को बताया गैस लीक हो गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कंपनी मालिक, डायरेक्टर और प्लांट मैनेजर पर केस दर्ज, एक आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले से एक चौंकाने वाला ,एलपीजी गैस घोटाला सामने आया है। सुरक्षित रखरखाव के लिए सौंपे गए 6 कैप्सूल ट्रकों से करीब 90 मीट्रिक टन गैस गायब कर दी गई। इस गैस की कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। आरोप है कि कंपनी के मालिक संतोष सिंह ठाकुर और डायरेक्टर साकिन ठाकुर ने प्लानिंग कर गैस को घरेलू-कमर्शियल सिलेंडरों में भरकर बेच दिया। इसके बाद जिला प्रशासन से शिकायत की कि एलपीजी गैस लीक हो गई। चोरी पकड़े जाने के बाद पुलिस ने 3 के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में स्टाफ निखिल वैष्णव (41) को गिरफ्तार किया है, जबकि इस मामले का मुख्य आरोपी संतोष सिंह ठाकुर (मालिक) और अन्य डायरेक्टर के साथ प्लांट मैनेजर फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।। मामला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, दिसंबर 2025 में सिंघोड़ा थाना पुलिस ने 6 एलपीजी गैस से भरे कैप्सूल ट्रक जब्त किए गए थे। थाने में किसी भी हादसे के खतरा देखते हुए, इन ट्रकों को सुरक्षित जगह पर रखने के लिए महासमुंद पुलिस ने जिला कलेक्टर को पत्र भेजा।

इसके बाद कलेक्टर ने खाद्य विभाग को ट्रकों को सुरक्षित जगह पर रखने के निर्देश दिए। इसी आदेश के तहत 30 मार्च 2026 को खाद्य विभाग की टीम ने ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स के मालिक संतोष सिंह ठाकुर से संपर्क किया और 6 कैप्सूल ट्रक सुरक्षित रखने के लिए कहा। खाद्य निरीक्षक अविनाश दुबे, खाद्य अधिकारी हरिश सोनेश्वरी और मनीष यादव की मौजूदगी में संतोष ठाकुर को ये 6 कैप्सूल ट्रक सुरक्षित रखने के लिए सौंप दिए। संतोष अपने स्टाफ की मदद से सभी गाड़ियां सिंघोड़ा थाना से रायपुर के अभनपुर के ग्राम उरला स्थित अपने प्लांट ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स ले गया।

कंपनी के मालिक ने रची गैस बेचने की साजिश

हैंडओवर के समय या उसके तुरंत बाद कैप्सूल ट्रकों का वजन नहीं कराया गया। इसी लापरवाही का फायदा उठाकर मालिक संतोष ठाकुर, डायरेक्टर साकिन ठाकुर ने गैस को अवैध रूप से बेचने की साजिश रची। सिंघोड़ा से अभनपुर तक लगभग 200 किलोमीटर के रास्ते में 15 से ज्यादा धर्मकांटे (वजन करने की जगह) होने के बावजूद कहीं भी वजन नहीं कराया गया। सभी 6 कैप्सूल ट्रकों को प्लांट से करीब 200 मीटर दूर पार्किंग में खड़ा कर दिया गया। इसके बाद 5 गाड़ियों का वजन 6 अप्रैल को और 1 गाड़ी का वजन 8 अप्रैल को कराया गया।

8 दिनों में प्लांट के बुलेट टैंकों में खाली किया गैस

इन 8 दिनों में एक-एक कर कैप्सूल ट्रकों को प्लांट के अंदर मौजूद बुलेट टैंकों में खाली किया गया। जब वे टैंक भी भर गए तो गैस को कंपनी के मालिकाना और वहां चल रहे दो निजी टैंकरों में भर दिया गया। इसके बावजूद चोरी की गई गैस बची रह गई, जो तय क्षमता से ज्यादा थी। इसके बाद रायपुर की अलग-अलग एजेंसियों और प्लांटों को करीब 4 से 6 टन गैस बिना पक्के बिल के, सिर्फ कच्चे चालान पर भेजी गई। वजन में देरी का मुख्य कारण यह रहा कि कैप्सूल ट्रकों को समय पर खाली नहीं किया गया और प्लांट में एक साथ 6 कैप्सूल खाली करने की कैपेसिटी भी नहीं थी। इसके बाद कंपनी मालिक ने प्रशासन को बताया कि सभी एलपीजी कैप्सूल ट्रक खाली हैं। इसके बाद जब पुलिस ने मामले की जांच की तो पूरा घोटाला सामने आया।

इतनी बड़ी मात्रा में लीकेज असंभव

इस पूरे मामले में जब राष्ट्रीय स्तर के एक्सपर्ट की मदद से जांच की गई तो पाया गया कि कैप्सूल पूरी तरह सुरक्षित था और इतनी बड़ी मात्रा में गैस का लीकेज होना संभव नहीं था। इससे साफ हुआ कि गैस जानबूझकर किसी ने निकाली है। एक्सपर्ट ने यह भी बताया कि बिना किसी बड़ी दुर्घटना के 3 महीने में एक कैप्सूल से 20 टन गैस का निकल जाना संभव ही नहीं है। जब्त दस्तावेजों की जांच में पता चला कि जितनी गैस खरीदी गई थी, उससे कई गुना ज्यादा बिक्री दिखाई गई है। 3 दिन की जांच और दस्तावेजों की चेकिंग में बड़ी गड़बड़ी सामने आई। रिकॉर्ड के अनुसार अप्रैल महीने में ठाकुर पेट्रोकेमिकल कंपनी ने सिर्फ 47 टन एलपीजी गैस खरीदी थी, लेकिन कागजों में 107 टन गैस की बिक्री दिखाई गई। यानी करीब 60 टन गैस ऐसी बेची गई, जो असल में खरीदी ही नहीं गई थी। इसके अलावा कच्चे रजिस्टर में भी और थोक बिक्री का रिकॉर्ड मिला है, जिससे घोटाले का पता चला।

खास खबर

शादी में चाकूबाजी, 4 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। शादी कार्यक्रम में डीजे पर नाचने के दौरान चाकूबाजी की घटना के चौथे फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। मामला थाना कोड़ेनार क्षेत्र के बड़े आरापुर में 22 अप्रैल को शादी समारोह के दौरान हुए विवाद में तीन युवकों पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया था। मामले में सोसनपाल कोटवार पारा निवासी प्रार्थी धीरसाय (42) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। समारोह में डीजे पर नाचते समय देवेन्द्र बघेल और उसके साथियों ने विवाद के बाद गाली-गलौज करते हुए चाकू कर स्टील के कड़े से हमला कर दिया। इस हमले में सागर नाग, प्रियांशु कुर्रे और फूलसिंग बघेल को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संतोष, अमन कुमार समेत एक नाबालिग को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। वहीं जांच के बाद दुगनपाल निवासी फरार आरोपी देवेन्द्र बघेल 23 वर्ष को 1 मई को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया।

ऑनलाइन जीवनसाथी तलाश रहा युवक हुआ ठगी का शिकार

धमतरी। धमतरी में एक युवक को यूनिक रिश्ते दिलाने के नाम पर हजारों की चपत लगा दी गई। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के दानीटोला वार्ड का है। यहां रहने वाले रवि कुमार बघेल को क्या पता था कि एक अनजान फोन कॉल उनकी जेब पर भारी पड़ जाएगा। दरअसल रवि के पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को यूनिक रिश्ते नामक प्लेटफॉर्म से जुड़ा बताया। बातचीत के दौरान युवक को एक लड़की की तस्वीर भेजी गई। फोटो देखते ही युवक शादी के लिए तैयार हो गया, बस यहीं से ठगी का खेल शुरू हुआ। ठगों ने रजिस्ट्रेशन और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर युवक से ऑनलाइन के जरिए पैसे मांगना शुरू किया। महज एक हफ्ते के भीतर युवक से 14,000 रुपए ऐंठ लिए गए। जब युवक ने लड़की से मिलने या आगे की बात करने पर जोर दिया तो सामने से जवाब मिला कि लड़की किसी और के साथ भाग गई है। इस अजीबो-गरीब जवाब को सुनकर युवक के पैरों तले जमीन खिसक गई। खुद को ठगा महसूस कर पीड़ित रवि कुमार बघेल तुरंत कोतवाली थाना पहुंचे। हालांकि पुलिस ने युवक को ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है। युवक का कहना है कि जो उनके साथ हुआ वह किसी और के साथ न हो। लोग ऑनलाइन रिश्तों के झांसे में न आएं और अपनी मेहनत की कमाई न गंवाएं।

अस्पताल की दूसरी मंजिल से गिरकर महिला की मौत

बलरामपुर। बलरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सेंदूर की निवासी कलेश्वरी (50) को 27 अप्रैल को पेट दर्द और बुखार की शिकायत के बाद जिला अस्पताल बलरामपुर में भर्ती कराया गया था, जहां उनका उपचार चल रहा था। पति और बेटी उसकी देखभाल में लगे थे। गुरुवार की रात लगभग 12:30 बजे महिला अपने बेड पर नहीं थी। कलेश्वरी के पति रामधनी और बेटी मंजू सिंह ने अस्पताल के बाथरूम और अन्य कमरों में उनकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। उसे खोजते हुए स्वजन बाहर निकल गए। बाद में अस्पताल परिसर में नीचे तलाश करने पर कलेश्वरी गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल की छत से नीचे गिरी हुई मिलीं। स्वजन ने तत्काल उन्हें आपातकालीन वार्ड पहुंचाया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए अंबिकापुर रिफर कर दिया। हालांकि अंबिकापुर ले जाते समय रास्ते में ही कलेश्वरी की मौत हो गई। इस घटना से अस्पताल प्रबंधन और हड़कंप मच गया। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच कराई जा रही है। अस्पताल के छत से महिला मरीज के गिरने से हुई मौत की घटना को प्रबंधन ने गंभीरता से लिया। दो मंजिला अस्पताल भवन में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं।

नाइजीरिया से छत्तीसगढ़ पहुंचता था ड्रग्स: बीपी मशीन के बॉक्स में छिपाकर डिलीवरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नाइजीरिया से ड्रग्स की सप्लाई हो रही थी। आरोपी बीपी (ब्लडप्रेशर) मशीन के बॉक्स में छिपाकर रायपुर में कोकीन की डिलीवरी करते थे। 2 मई को रायपुर पुलिस ने दिल्ली से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाइजीरियाई नागरिक भी शामिल है।

आरोपियों के कब्जे से 9.70 लाख कैश, 5 आईफोन, 3 चेकबुक समेत करीब 11 लाख रुपए का सामान जब्त किया है। यह नेटवर्क नाइजीरिया से संचालित होकर देश के अलग-अलग राज्यों में कोकीन की सप्लाई कर रहा था।

मामले का खुलासा 19 मार्च 2026 को हुआ, जब देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में नारायणा हॉस्पिटल के पास कृष्ण गोपाल अग्रवाल को 4.55 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के पास से 2.27 लाख रुपए की कोकीन, एक चारपहिया वाहन और आईफोन जब्त किया गया था। कुल जब्ती की कीमत 20 लाख रुपए से अधिक आंकी गई थी।

पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि आरोपी को ड्रग्स की सप्लाई एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह के जरिए हो रही थी। यह गिरोह दिल्ली से संचालित हो रहा था और कोकीन को बीपी मशीन के डिब्बों में छिपाकर कोरियर के माध्यम से रायपुर सहित अन्य शहरों में भेजता था, ताकि किसी को शक न हो।

दिल्ली के तिलक नगर में दबिश 2 आरोपी दबोचे

इनपुट मिलने के बाद रायपुर पुलिस की टीम दिल्ली रवाना हुई। वहां तिलक नगर क्षेत्र में दबिश देकर भारतीय आरोपी सन्नी शर्मा और नाइजीरियन नागरिक तोचक्

अफामे उर्फ प्रिन्स चार्ल्स को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े होने की बात स्वीकार की।

जांच में यह भी सामने आया कि नाइजीरिया में बैठा 'चिची' नामक व्यक्ति इस पूरे सिंडिकेट का संचालन कर रहा था। वहीं, सन्नी शर्मा अपने बैंक खातों का इस्तेमाल कमीशन के बदले ड्रग्स की रकम के लेन-देन के लिए करता था।

93 आरोपी गिरफ्तार, 2 करोड़ से ज्यादा का लेन-देन

रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने साल 2026 में अब तक एनडीपीएस एक्ट के 36 मामलों में 93 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पिछले 6 महीनों में आरोपियों के बैंक खातों से करीब 2 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है। फिलहाल पुलिस इन ट्रांजेक्शनों की गहराई से जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के नाम सन्नी शर्मा (तिलक नगर, दिल्ली) और तोचक्वु अफामे उर्फ प्रिंस चार्ल्स (नाइजीरिया) हैं। नाइजीरियन आरोपी पहले भी 2024-25 में वीजा उल्लंघन के मामले में दिल्ली में जेल जा चुका है।

दोनों आरोपियों के खिलाफ देवेंद्र नगर थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22बी के तहत अपराध क्रमांक 33/26 दर्ज किया गया है। पुलिस का दावा है कि इस एंड-टू-एंड ऑपरेशन के जरिए कोकीन सप्लाई करने वाले एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया है।

घुमका में रेत का अवैध परिवहन करने पर 2 हाईवा जब्त

राजनांदगांव। जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा गस्त के दौरान ग्राम चारभाठा, घुमका, पटेवा, बीजेतला में खनिजों के अवैध परिवहन एवं भण्डारण पर कार्रवाई की गई। इसके तहत घुमका में देवेन्द्र साहू के स्वामित्व की हाइवा सीजी 07 सीएक्स 9116 से ग्राम नंदनी निवासी वाहन चालक हीरा पटेल द्वारा रेत का अवैध परिवहन करने तथा फागू वर्मा के स्वामित्व की हाइवा सीजी 08 एई 2553 द्वारा रेत का अवैध भण्डारण से परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए वाहन को थाना घुमका को सुपुर्द किया।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली डिलीवरी बॉय की जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। हादसा वाड्रफनगर के अंबेडकर चौक के समीप हुआ, जहां विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

इस हादसे का दुखद पहलू यह भी है कि डिलीवरी बॉय ने हेलमेट लगाया हुआ था, इसके बावजूद उसके सिर के परखच्चे उड़ गए। मृतक युवक की पहचान विकास देवांगन के रूप में हुई है, जो चलगली क्षेत्र के बड़का गांव का निवासी था। और वाड्रफनगर में रहकर डेलीवेरी कंपनी में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि विकास सामानों की डिलीवरी देने वाड्रफनगर से महेवा की ओर बाइक से निकला था। इसी दौरान अंबेडकर चौक के पास सामने से आ रही ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद ट्रक चालक युवक को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना के बाद आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वाड्रफनगर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस ने ट्रक और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चलती कार में आरसीबी-गुजरात के मैच पर ऑनलाइन सट्टा

व्हॉट्सएप के जरिए होती थी डील और हिसाब-किताब

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में आईपीएल मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टेबाजी के मामले में एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरसीबी और गुजरात टाइटंस के मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

कार में सवार दो आरोपी घूम-घूमकर सट्टा संचालित कर रहे थे। इसके अलावा दो अन्य आरोपी बाहर से पूरे मैच के दौरान अपडेट देकर सट्टा लगवा रहे थे। जांच में सामने आया है कि व्हॉट्सऐप से पूरी डील होती थी और पैसा आते ही तुरंत दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर करते थे।

पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, लैपटॉप, सिम कार्ड और बैंक से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में लाखों रुपए के लेनदेन के संकेत मिले हैं।

30 अप्रैल को था आरसीबी-गुजरात का मैच

पुलिस के मुताबिक 30 अप्रैल को आरसीबी और गुजरात टाइटन्स के बीच मैच खेला जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ युवक एक चारपहिया वाहन में बैठकर नेहरू नगर, सुपेला चौक, पावर हाउस और आसपास के इलाकों में घूम रहे हैं और मोबाइल के जरिए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहे हैं। उसी समय चल रहे इस मैच पर ये लोग दांव लगवा रहे थे।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बैकुंठ धाम गेट, गौरव पथ रोड, कैम्प-02 भिलाई के पास घेराबंदी की। वहां संदिग्ध कार को रोककर जांच की गई, तो उसमें सवार दो युवक पवन कुमार यादव और मयंक गणवीर को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने सट्टा संचालित करने की बात कबूल की। उनके बताए अनुसार पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए नमन गुप्ता और नीलकंठ कोसरे उर्फ नीलू को भी गिरफ्तार कर लिया।

व्हॉट्सऐप से होती थी पूरी डील

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आईडी बनाकर सट्टा संचालित करते थे। ग्राहक मोबाइल के जरिए उनसे जुड़ते थे और व्हॉट्सऐप पर ही पूरा हिसाब-किताब रखा जाता था, जो भी पैसा आता था, उसे अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाता था, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है। आने वाले दिनों में और खुलासे हो सकते हैं।

दूसरों के बैंक खातों का कर रहे थे इस्तेमाल

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि जिन बैंक खातों, पासबुक और एटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया जा रहा था, वे कई बार दूसरे लोगों के नाम पर थे। इन खाता धारकों को इस बात की जानकारी भी नहीं थी कि उनके नाम का इस्तेमाल सट्टा लेनदेन में हो रहा है।

इससे गिरोह का नेटवर्क और बड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई मोबाइल, लैपटॉप, सिम कार्ड, बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। इनसे डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं, जिनके आधार पर लेनदेन की जांच की जा रही है।

रायगढ़ में उधार के पैसे को लेकर की गई ग्रामीण की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ग्रामीण की लाश उसके निर्माणाधीन मकान के पीछे बाड़ी में मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार किया। उधार की रकम हत्या का कारण बनी। मामला कापू थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल को ग्राम केम्हिचुआ निवासी देवव्रत तुरी (30) का शव उसके निर्माणाधीन मकान के पीछे बाड़ी में संदिग्ध हालत में मिला। घटना की सूचना पिता चमरराम तुरी (60) ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। प्राथमिक जांच में देवव्रत के शरीर पर गले, कलाई, पीठ पर दबाव और संघर्ष के निशान पाए गए। इसके बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने मौत को हत्या (होमीसाइडल) बताया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की।

तीन दिनों तक देवव्रत के परिजनों, ग्रामीणों और संदिग्धों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि गांव के करमसाय नगेसिया (42) और देवव्रत तुरी के बीच लंबे समय से पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि मार्च महीने में करमसाय नगेसिया अपने परिवार के साथ देवव्रत के घर पहुंचा था और मारपीट करते हुए विवाद किया था। संदेह के आधार पर पुलिस करमसाय नगेसिया को थाने लाकर पूछताछ की। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ होने पर उसने हत्या करना कबूल कर लिया। करमसाय ने बताया कि करीब छह साल पहले मृतक देवव्रत तुरी ने उससे 5,000 रुपए उधार लिए थे। वह लगातार रकम लौटाने में टालमटोल करता रहा।

11 मार्च को पैसे मांगने पर करमसाय ने देवव्रत के माता-पिता और बहन से गाली-गलौज की थी। इस विवाद को लेकर गांव में बैठक भी हुई, फिर भी देवव्रत ने पैसे वापस नहीं किए। 26 अप्रैल की रात करीब 11 बजे शादी समारोह से लौटते समय करमसाय ने देवव्रत को उसके घर के पास देखा। पुराने विवाद के चलते उसने गुस्से में उसका पीछा किया और घर के दरवाजे के पास पकड़ लिया।

मुंह और गला दबाकर जमीन पर पटक दिया

करमसाय ने देवव्रत का मुंह और गला दोनों हाथों से दबाया और जमीन पर पटक दिया। उसने तब तक दबाए रखा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। हत्या के बाद आरोपी ने शव को उठाकर घर के पीछे बाड़ी में फेंक दिया, ताकि घटना छुपाई जा सके।

मामले का खुलासा होने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायालय में पेश किया। वहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

गांजा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई: 10.95 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। जिला बस्तर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10.952 किलोग्राम गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जब्त गांजा की कीमत लगभग 5,47,600 रुपये आंकी गई है। आरोपियों के पास से एक एंड्रॉइड मोबाइल और 2170 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। कुल जब्ती की रकम 5,56,270 रुपये है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अखिल मोहम्मद शेख (60 वर्ष) और संतोष शंकरराव बावणकर (50 वर्ष) के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के निवासी हैं। दोनों आरोपी उड़ीसा से गांजा लाकर महाराष्ट्र के चंद्रपुर ले जाने की फिराक में थे।

इस दौरान विमल पान मसाला के थैले में छिपाकर ले जाए जा रहे गांजा को जब्त किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिली युवक की लाश

कोरबा। उरगा थाना अंतर्गत मड़वारानी केबिन के पास शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक की लाश मिली। घटनास्थल रेलवे केबिन के नजदीक होने पर स्टेशन मास्टर ने आरपीएफ व उरगा पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। करीब 24 वर्षीय मृतक के शरीर पर काले रंग की टी-शर्ट, लोअर व जूते थे, लेकिन मौके पर न मोबाइल और न ही पहचान से जुड़ी कोई दस्तावेज मिले। ऐसे में पुलिस ने मर्ग कायम कर आसपास गांव में मुनादी कराने के साथ ही सोशल मीडिया पर मृतक की जानकारी पोस्ट कर दी गई।

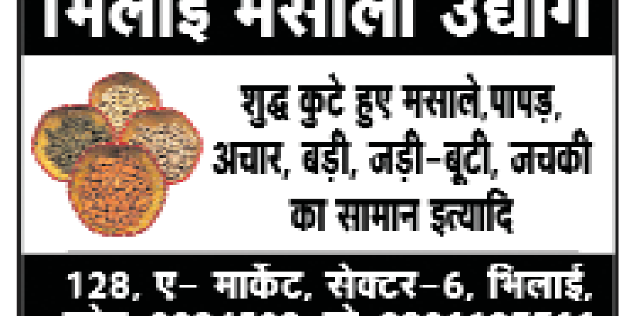

सुशासन तिहार

दिव्यांग केदारी साहू को मिली ट्राइसिकल, आसान हुई जिन्दगी

रायपुर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव की नई इबारत लिख रहा है। कवर्धा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 04 निवासी दिव्यांग केदारी साहू को न केवल मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्राप्त हुई, बल्कि पुराना रोजगार पुन: शुरू करने का संबल भी मिला है। केदारी औपचारिक शिक्षा से वंचित रहे हैं। शासकीय प्रक्रियाओं और योजनाओं की जानकारी के अभाव में लंबे समय से परेशान थे। वे घर-घर जाकर घड़ी एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत करते थे। आवागमन के लिए उपयुक्त साधन नहीं होने के कारण उनका कार्य प्रभावित हुआ और बंद होने की स्थिति में पहुंच गया। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिल जाने से अब उनका जीवन फिर पटरी पर लौट आएगा।

सुशासन तिहार में भवन सिंह को सालों बाद मिली किसान किताब

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के विकासखंड मरवाही के ग्राम पंचायत सेमरदर्री में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम पंचायत नाका निवासी किसान भवन सिंह को किसान किताब मिल गई। वे लंबे समय से अपनी किसान किताब बनवाने के लिए प्रयासरत थे। विभिन्न स्तरों पर प्रयास करने के बावजूद उनका कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहा था। एक मई को आयोजित सुशासन तिहार शिविर में पहुंचकर उन्होंने अपनी समस्या दर्ज कराई। राजस्व विभाग द्वारा तत्काल जांच एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की गईं। शिविर स्थल पर ही उन्हें किसान किताब प्रदान कर दी गई।

स्कूटी पर निकले उप मुख्यमंत्री साव, नगर भ्रमण कर लिया विकास कार्यों का जायजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक अरुण साव ने आज लोरमी नगर में स्कूटी से भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने रानीगांव में गार्डन, तालाब और मुक्तिधाम निर्माण कार्यों का जायजा लिया।

श्री साव ने प्रवेश द्वार, नाली निर्माण और मनियारी नदी पर बन रहे पुल की प्रगति की जानकारी लेकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बस स्टैंड जिम में युवाओं से संवाद किया और स्लम स्वास्थ्य योजना के मेडिकल यूनिट का अवलोकन कर स्वास्थ्य सुविधाओं को परखा। साथ ही नालंदा परिसर (आधुनिक लाइब्रेरी) के निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भ्रमण के दौरान बच्चों और महिलाओं से आत्मीय मुलाकात कर उनका सुख-दुख जाना। उन्होंने ब्राह्मण पारा में जादूगर द्वारा दिखाए जा रहे जादू का आनंद भी लिया। श्री साव ने लोरमी में अपने विधायक कार्यालय में स्थानीय नागरिकों के साथ विकास कार्यों पर चर्चा की और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने राम्हेपुर स्थित शिव मंदिर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण करते हुए कहा कि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण विकास से ही जनता का भरोसा मजबूत होता है।

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए 132 केन्द्रों में 28570 परीक्षार्थी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना 2025-26 के तहत दिनांक 02 मई 2026 को राज्य में परीक्षा का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया।

मण्डल की अध्यक्ष रेणु जी. पिल्ले के संरक्षण, सचिव पुष्पा साहू के निर्देश तथा उपसचिव डॉ. बी. रघु एवं श्रीमती मोनिका जयनशीने के मार्गदर्शन में परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली में बौद्धिक योग्यता परीक्षण एवं द्वितीय पाली में शैक्षिक योग्यता परीक्षण सम्पन्न हुआ।

परीक्षा नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार साहू ने जानकारी दी कि इस परीक्षा हेतु छत्तीसगढ़ राज्य को कुल 2246 छात्रवृत्तियों का कोटा आबंटित है। राज्य के 132 परीक्षा केन्द्रों में कुल 31,810 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 28,570 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 3,237 अनुपस्थित रहे। नकल प्रकरण शून्य रहा।

प्रत्येक केन्द्र में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गईं थी। साथ ही निरीक्षण दल एवं मण्डल कार्यालय से गठित उड़नदस्ता टीमों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त एवं स्थानीय निकाय विद्यालयों के कक्षा 8वीं के वे विद्यार्थी पात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 7वीं में न्यूनतम 55त्न अंक (अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु 5त्न की छूट) प्राप्त की हो तथा जिनके माता-पिता/पालक की वार्षिक आय 3.50 लाख रुपये से अधिक न हो।

सुशासन तिहार : नवागढ़ के ग्राम सरखों में लगा शिविर, जनसमस्या का हो रहा तत्काल निवारण

■ त्वरित समाधान, योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2026 के तहत जिले में 1 मई से 10 जून तक जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

इसी क्रम में आज जांजगीर चांपा के जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम सरखों में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास की विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर का निरीक्षण जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली गई।

शिविर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास की चाबियां भी सौंपी गईं। शिविर में कुल 1334 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1265 मांग एवं 69 शिकायतें शामिल हैं।

कार्यक्रम में विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्री ब्यास कश्यप ने कहा कि शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए और सभी आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ समय-सीमा में निराकरण किया जाए। पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य प्रशासन को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े एवं जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी ने भी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा कि जिले में शिविरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है और प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु कैम्प कोर्ट के माध्यम से त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा सभी आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग पर बल दिया।

शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, कृषि, उद्यानिकी, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, श्रम, वन, जल संसाधन, विद्युत सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

वाटर स्पोर्ट्स में सुरक्षा मानकों पर सौ फीसदी अमल करने के मुख्यमंत्री साय ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई क्रूज हादसे की दुखद घटना के परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ में संचालित सभी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए सुरक्षा मानकों का सुदृढ़ता से पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जन सुरक्षा के विषय में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही पूर्णत: अस्वीकार्य होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी और कोरबा सहित अन्य सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया कि जिन स्थलों पर वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां संचालित हो रही हैं, वहां सुरक्षा मानकों का तत्काल परीक्षण (सुरक्षा ऑडिट) सुनिश्चित किया जाए तथा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरश: पालन कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित वाटर स्पोर्ट्स स्थलों पर उपयोग में लाए जा रहे उपकरणों का नियमित तकनीकी परीक्षण सुनिश्चित किया जाए, प्रशिक्षित एवं दक्ष मानव संसाधन की तैनाती की जाए, तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु समुचित आपातकालीन प्रबंधन तंत्र सक्रिय रखा जाए। इसके साथ ही रेस्क्यू उपकरणों, लाइफ जैकेट एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता एवं कार्यशील स्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित अधिकारियों/संचालकों की जवाबदेही निर्धारित करते हुए आवश्यकतानुसार दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन नागरिकों एवं पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करता है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां पूर्णत: सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं मानक अनुरूप संचालित हों, जिससे संभावित जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

ईसीआई ने पश्चिम बंगाल में अतिरिक्त पर्यवेक्षक तैनात किए

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की चल रही मतगणना प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।आयोग द्वारा मतगणना कार्य में सहयोग हेतु 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक तथा मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की निगरानी के लिए 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इन पर्यवेक्षकों की नियुक्ति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पूरी मतगणना प्रक्रिया सुरक्षित, शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न हो।

यह नियुक्तियाँ भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20क्व के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए की गई हैं। तैनाती की अवधि के दौरान सभी पर्यवेक्षक आयोग के अधीक्षण एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे और प्रतिनियुक्ति पर माने जाएंगे।

दाढ़ी में सीसी रोड निर्माण का मामला

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा जिले के नगर पंचायत दाढ़ी क्षेत्र में हाल ही में निर्मित सीसी रोड के अल्प समय में ही क्षतिग्रस्त होने संबंधी प्रकाशित समाचार को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही पूर्णत: अस्वीकार्य है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा की कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे प्रकरण की विस्तृत एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित सीसी रोड का तकनीकी परीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए तथा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, कार्य की गुणवत्ता और पर्यवेक्षण व्यवस्था की समग्र जांच की जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि यदि जांच में गुणवत्ता में कमी, मानकों का उल्लंघन अथवा किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़क का तत्काल पुनर्निर्माण कर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी निर्देश दिए कि जिले में संचालित अन्य निर्माण कार्यों की भी विशेष समीक्षा की जाए, ताकि कहीं और इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना प्रशासन की मूल जिम्मेदारी है, और इसमें किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही करने वालों के विरुद्ध जवाबदेही तय होगी और कार्रवाई अनिवार्य होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सतत मॉनिटरिंग, फील्ड निरीक्षण और प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र के माध्यम से विकास कार्यों की विश्वसनीयता एवं टिकाऊपन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार की मंशा स्पष्ट है – जनहित के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशभर में निर्माण कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद अधोसंरचना का लाभ मिल सके।

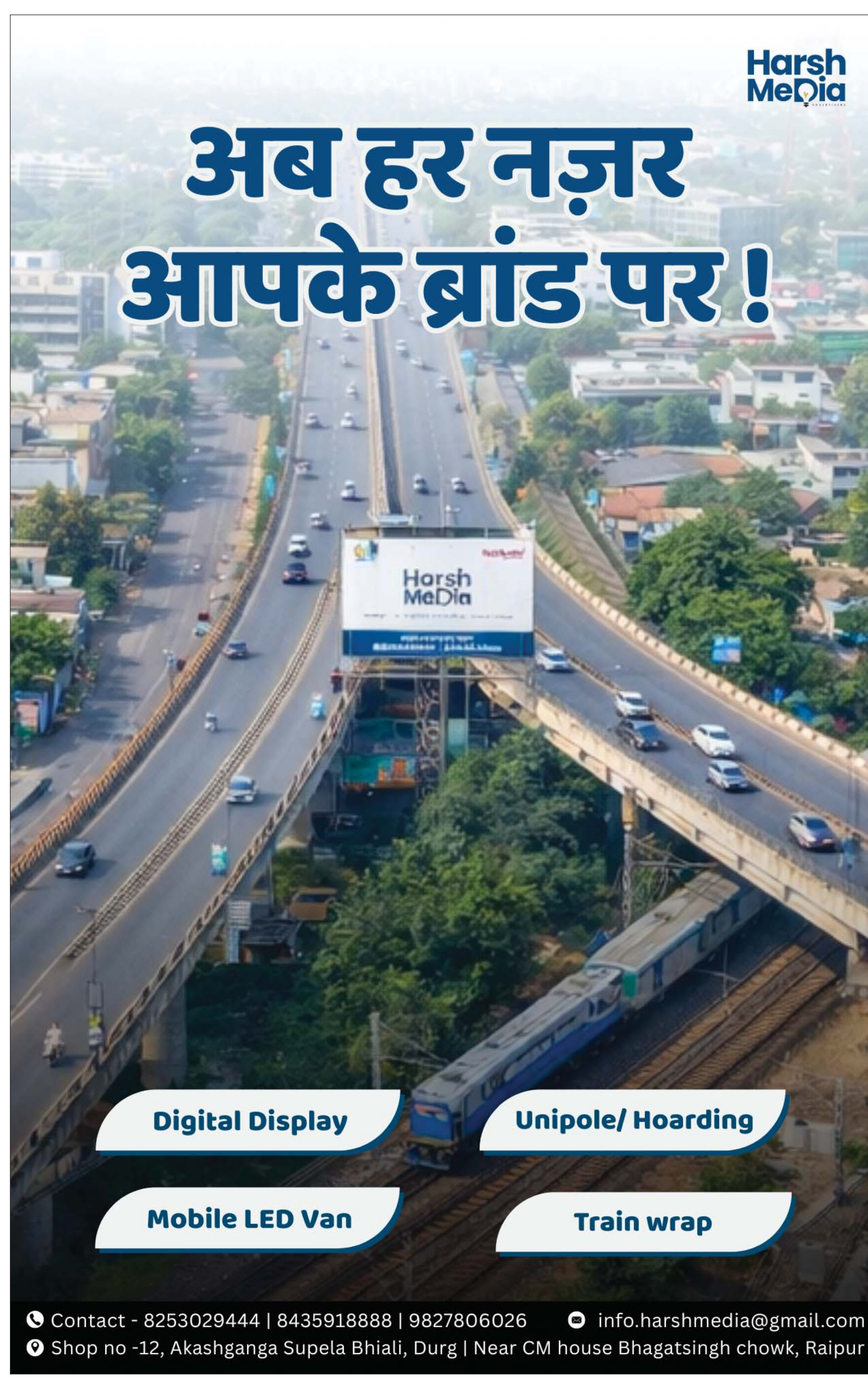

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950